राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 79 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,21 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के पूर्व दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की वार्ता, आपसी रक्षा सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली । अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद गंभीर होते हालात के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सोमवार को फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान के मुद्दों के साथ-साथ भारत और अमेरिका के बीच आपसी रक्षा सहयोग के मसलों पर भी चर्चा की। राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से फोन पर हुई अपनी चर्चा की जानकारी ट्विटर पर साझा करते हुए कहा कि आस्टिन से उनकी बातचीत गर्मजोशी से हुई। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बीच वार्ता ऐसे समय हुई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं।

क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे मोदी– बता दें कि अगले हफ्ते प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका की यात्रा पर होंगे। वह अमेरिका में हो रहे क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके पूर्व प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, आस्ट्रेलिया के पीएम स्काट मारीसन और जापान के पीएम योशीहिदे सुगा के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक होगी। क्वाड के सदस्य देशों में भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान है। इसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक देशों के हितों की रक्षा करना और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना है।

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा–उन्होंने कहा कि इस दौरान हमने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री के अनुसार, क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा के क्रम में अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर भी बातचीत हुई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने इस दरम्यान आपसी संवाद के इस सिलसिले को जारी रखने और भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी इसी हफ्ते अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं और वहां उनकी नए राष्ट्रपति जो बाइडन से पहली द्विपक्षीय मुलाकात होनी है। इस लिहाज से दोनों रक्षा मंत्रियों की बातचीत से साफ है कि रक्षा एवं रणनीतिक क्षेत्र में दोनों देश अपने आपसी सहयोग की गति को और बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।

पंजाब के सीएम पर घमासान

▶▶ नए सीएम चन्नी ने पानी फ्री, बिजली बिल में कमी समेत कई घोषणाएं कीं

चंडीगढ़,(एजेंसी)।

पंजाब में कांग्रेस विधायक दल के नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और कार्यभार संभालने के साथ ही उन्होंने छोटे मकानों के लिए पानी की मुफ्त आपूर्ति, बिजली के बिल में कमी करने और आम आदमी को पारदर्शी सरकार देने का वादा किया। चन्नी पंजाब में मुख्यमंत्री बनने वाले दलित समुदाय के पहले व्यक्ति हैं। उनके साथ सुखजिंदर सिंह रंधावा और ओम प्रकाश सोनी ने भी मंत्री पद की शपथ ली, जो राज्य के उप मुख्यमंत्री होंगें। रंधावा जट सिख और सोनी हिंदू समुदाय से आते हैं। राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने तीनों नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में 58 वर्षीय चन्नी ने किसान आंदोलन का पूरा समर्थन किया और कहा कि केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन काले कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने खुद को आम आदमी और गरीब इंसान करार दिया तथा मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस आलाकमान और विशेषकर राहुल गांधी का धन्यवाद किया।

दलित के बेटे के मुख्यमंत्री बनने से भाजपा के पेट में दर्द हो रहा है: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि पंजाब में एक गरीब और दलित के बेटे चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बनने से भाजपा के पेट में दर्द हो रहा है, जिस वजह से वह उन्हें अपमानित करने की साजिश कर रही है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बसपा प्रमुख मायावती पर भी उनके एक बयान को लेकर पलटवार किया और चुनौती दी कि वह पंजाब में शिरोमणि अकाली दल एवं बसपा के गठबंधन की ओर से किसी दलित को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करें।

दलित चुनावी हथकंडे से सावधान रहें : मायावती

लखनऊ। पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी के पहले दलित मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लिए जाने के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को इसे कांग्रेस का चुनावी हथकंडा करार दिया और कहा कि दलितों को इससे सावधान रहना चाहिए। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए शिरोमणि अकाली दल (शिअद) से गठबंधन करने वाली बसपा की प्रमुख ने पत्रकारों से कहा कि चाहे पंजाब हो या उत्तर प्रदेश या अन्य कोई राज्य, जातिवादी दल दलितों को जो भी दे रहे हैं।

कांग्रेस का चुनावी हथकंडा : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाए जाने को दलित प्रेम के दिखावे वाला कांग्रेस का चुनावी हथकंडा बताया और चुनौती दी कि यदि पार्टी का दलित प्रेम झूठा नहीं है तो स्पष्ट करे कि विधानसभा का अगला चुनाव वह उन्हीं के नेतृत्व में लड़ेगी।

न्यायालय ने छात्र को दी नसीहत

पढ़ाई पर ध्यान दो, संवैधानिक उपायों की मांग करने पर नहीं

● हम यह नहीं कह सकते कि सभी बच्चों को स्कूल भेजें। ये शासन से जुड़े मुद्दे हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

देशभर में स्कूलों को फिर से खोले जाने की मांग कर रहे 12वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र को उच्चतम न्यायालय ने सलाह दी कि वह संवैधानिक उपायों की मांग करने के बजाय पढ़ाई पर ध्यान दे। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस याचिका को प्रचार का हथकंडा नहीं कहेगी लेकिन यह एक भ्रमित याचिका है और बच्चों को ऐसे मामलों में शामिल नहीं होना चाहिए। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि दिल्ली का छात्र राज्य सरकार के सामने अपनी मांग रख सकता है। पीठ ने वकील रवि प्रकाश महरोत्रा से कहा, अपने मुवक्किल से कहिए कि स्कूल में पढ़ाई पर ध्यान दे और संवैधानिक उपायों की मांग करने में समय नहीं गंवाए। पीठ ने कहा, अनुच्छेद 21ए के लागू होने के बाद, इसने राज्य सरकारों को 6 से 14 साल के बीच के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए बाध्य किया है। आप देखते हैं कि अंततः सरकारें जवाबदेह हैं। वे बच्चों के स्कूलों में वापस जाने की आवश्यकता के बारे में भी चिंतित हैं। यही स्कूलों का उद्देश्य है। हम न्यायिक फरमान के तहत यह नहीं कह सकते कि आपको अपने बच्चों को स्कूल वापस भेजना चाहिए और इस बात से बेखबर नहीं रह सकते कि कि क्या खतरे हो सकते हैं। उसने कहा कि देश अभी कोविड की दूसरी लहर से बाहर निकला है और संक्रमण बढ़ने की आशंका अभी समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह अनिवार्य रूप से होगा ही या यह उसी तरह विनाशकारी होगा। सौभाग्य से, अब हमारे पास ऐसी रिपोर्ट हैं जो बताती हैं कि संक्रमण उस प्रकृति का नहीं होगा। टीकाकरण हो रहा है लेकिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हो रहा है।

वक्त आ गया है कि तंत्र में व्याप्त बुराइयां दूर की जाएं: वेंकैया नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

● विचारधारा से कहीं अधिक जरूरी है आदर्श व्यवहार, दुर्भाग्य से राजनीति सहित सभी क्षेत्रों में मूल्यों और मानदंडों का तेजी से क्षरण हुआ है।

उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने संसद में लगातार होने वालों गतिरोधों पर सोमवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि ठीक से काम नहीं करने वाले विधानमंडल संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांत पर प्रहार करती हैं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि सांसदों और विधायकों को सरकार की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन उन्हें सदन में अपनी बात रखते वक्त शालीनता, मर्यादा और गरिमा की लक्ष्मण रेखा कभी लांघनी नहीं चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि विचारधारा से कहीं अधिक जरूरी है आदर्श व्यवहार, दुर्भाग्य से राजनीति सहित सभी क्षेत्रों में मूल्यों और मानदंडों का तेजी से क्षरण हुआ है। नायडू ने उप राष्ट्रपति निवास में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, वक्त आ गया है कि तंत्र में व्याप्त विभिन्न प्रकार की बुराइयों को दूर किया जाए और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उच्च नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दिया जाए।

भारत अक्टूबर से कोविड-19 टीके का निर्यात बहाल करेगा

यह वसुधैव कुटुंबकम के भारत के आदर्श वाक्य के अनुरूप है : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

● अतिरिक्त टीकों का निर्यात अगली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के तहत और कोवैक्स पहल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए शुरू होगा।

● भारत का टीकाकरण अभियान दुनिया के लिए रोल मॉडल है और यह बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि भारत अगले महीने वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के तहत और वैश्विक कोवैक्स पहल को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कोविड-19 टीकों का निर्यात फिर से शुरू करेगा, लेकिन देश के लोगों का टीकाकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार को अक्टूबर में कोविड-19 टीकों की 30 करोड़ से अधिक खुराक और अगले तीन महीनों में 100 करोड़ से अधिक खुराक मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में कोविड-19 टीके की अब तक 81 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है, अंतिम 10 करोड़ खुराक महज 11 दिनों में दी गई। देश के लोगों के टीकाकरण को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए मांडविया ने कहा कि अतिरिक्त टीकों का निर्यात अगली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के तहत और कोवैक्स पहल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह वसुधैव कुटुम्बकम के हमारे आदर्श वाक्य के अनुरूप है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अतिरिक्त टीकों की आपूर्ति का इस्तेमाल कोविड-19 के खिलाफ सामूहिक लड़ाई के लिए दुनिया के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए किया जाएगा। गावी, कोलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन (सीईपीआई) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कोवैक्स पहल का सह-नेतृत्व कर रहे हैं।

भारत में कोविड-19 रोधी टीकों के स्वदेशी अनुसंधान और उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों और मार्गदर्शन के कारण भारत इतने बड़े पैमाने पर कोविड के टीकों का अनुसंधान और उत्पादन कर रहा है।

'2014 के बाद से किसानों की आय को लेकर लिए गए फैसले से खुश हूं,' बोले केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, बीजेपी हमेशा किसानों के साथ खड़ी रहती है क्योंकि 2014 के बाद किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कई फैसले लिए गए और वे इससे खुश हैं. 3 कृषि कानूनों पर पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है.केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि उन्होंने कुछ यूनियनों के साथ 11 दौर की बातचीत की. उन्होंने जो लोग किसान आंदोलन का विरोध कर रहे हैं उन्हें अपना प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा. लेकिन वे कोई भी प्रस्ताव देने में सक्षम नहीं हैं. वहीं हाल ही में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जी 20 के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक में शामिल हुए थे. इसका आयोजन इतालवी प्रेसीडेंसी द्वारा किया गया था. वर्चुअल बैठक में कृषि मंत्री और चार सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वर्चुअल शामिल हुए थे. बैठक का एक सत्र स्थिरता के पीछे एक प्रेरक शक्ति के रूप में अनुसंधान÷ विषय पर हुआ. इस सत्र को संबोधित करते हुए नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि कृषि अनुसंधान ने खाद्य सुरक्षा की समस्े या से निपटने, किसानों और खेतिहरों की आय में सुधार करने और लोगों के निर्वाह के लिए प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

तोमर ने कहा कि बायोफोर्टिफाइड किस्में सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर मुख्य आहार का स्रोत हैं और उन्हें कुपोषण को दूर करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा था. विभिन्न फसलों की ऐसी लगभग 17 किस्मों का विकास किया गया है और उनकी खेती की जा रही थी. केंद्रीय मंत्री 'शून्य भुखमरी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करना⁻ कृषि मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित सफल परियोजनाएं' विषय पर एक सत्र को संबोधित कर रहे थे.कृषि मंत्री ने कहा कि भारत ने वैज्ञानिकों के कुशल अनुसंधान के कारण कृषि उपज के क्षेत्र में क्रांति का अनुभव किया है.

21वीं सदी की कृषि की तीन सबसे बड़ी चुनौतियों- खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना, जलवायु परिवर्तन की अनुकूलता और जलवायु परिवर्तन को कम करने में से एक है. पानी, ऊर्जा व भूमि जैसे महत्वपूर्ण संसाधन तेजी से कम हो रहे हैं. कृषि में स्थिरता की आवश्यकता है ि कृषि वानिकी प्रणालियों को संतुलित करते हुए जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलता, संसाधन उपयोग दक्षता में वृद्धि, पर्यावरण की रक्षा तथा पारिस्थिति तंत्र सेवाएं बनाए रखना शामिल हैं.

भारत की दो टूक, विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला ने कहा - परस्पर आदर से ही तय होगा चीन से रिश्ता

नई दिल्ली। भारत ने चीन के समक्ष स्पष्ट कर दिया है कि अगर दोनों देशों के रिश्तों को तनावरहित बनाना है और सीमा पर अमन व शांति बनाए रखनी है तो उसके लिए क्या करना होगा। विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला का कहना है कि चीन के साथ रिश्तों का भविष्य तीन परस्पर व्यवहारों से तय होगा। ये हैं- एक दूसरे का आदर करना, एक दूसरे की संवेदनाओं का ख्याल रखना और एक दूसरे के हितों का ध्यान रखना।

भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठक के बाद आया ये बयान– श्रृंगला का यह बयान भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठक के बाद आया है जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जोर देकर कहा था कि भारत चीन के साथ रिश्तों को सभ्यताओं के टकराव के संदर्भ में नहीं देखता और दोनों देशों को आपसी आदर भाव के आधार पर द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए।इंवेस्टर इंडिया समिट को संबोधित करते हुए श्रृंगला ने पूरे वैश्विक हालात और इसकी चुनौतियों से लड़ने में जुटी भारतीय कूटनीति की कोशिशों के बारे में बताया। चीन की तरफ से पिछले वर्ष लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा के उल्लंघन को बेहद गंभीर बताते हुए उन्होंने कहा कि इसने पूरे हालात को काफी बदल दिया और अमन व शांति को भारी नुकसान पहुंचाया। भारत ने चीन को कई बार यह बताया है कि दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध रहें, इसके लिए जरूरी है कि सीमा पर भी अमन व शांति हो।

अफगानिस्तान के हालात को भारत के लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण बताया– श्रृंगला ने अफगानिस्तान के हालात को भारत के लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण बताया और कहा कि वहां जो हो रहा है उसका पूरे क्षेत्र पर असर होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की अफगानिस्तान को लेकर भावी नीति वहां की जनता के प्रति दोस्ताना रवैये से ही तय होगी।

अभी वहां की स्थिति काफी तेजी से बदल रही है और हम लगातार पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। वहां मानवीय आधार पर सहायता पहुंचाना बहुत जरूरी है, लेकिन यह भी जरूरी है कि यह मदद अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के जरिये पहुंचाई जाए।

भारत ने सुरक्षा को लेकर कई तरह के बदलाव किए– चीन के साथ सैन्य तनाव और अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति के बारे में विदेश सचिव ने कहा, इससे हमें यह सीख मिलती है कि सुरक्षा को लेकर कई तरह के बदलाव हुए हैं, लेकिन पारंपरिक तौर पर मौजूद सुरक्षा संबंधी चुनौतियां वैसी ही बनी हुई हैं। उनकी नजर में तीन तरह की गतिविधियां वैश्विक कूटनीति में बनती दिख रही हैं जो वैश्विक गतिविधियों को तय करेंगी। उनकी नजर में एशिया के वैश्विक गतिविधियों के केंद्र में होने, चीन का उद्भव और अंतरराष्ट्रीय सिस्टम पर बढ़ते दबाव को मेगाट्रेंड के तौर पर देखा जा सकता है।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि का शव फंदे से लटका मिला, आनंद समेत तीन हिरासत में

प्रयागराज । देश भर में अपने बयान से सुर्खियों में रहने वाले अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की सोमवार शाम संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उनका शव अल्लापुर में श्री मठ बाघम्बरी गद्दी के कमरे में फंदे से लटका मिला। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी वहां पहुंच गए। आइजी रेंज केपी सिंह ने बताया कि वह भी कुछ ही देर में मठ पहुंच गए थे। फिलहाल यह फांसी लगाकर आत्महत्या का मामला लग रहा है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच की। पता चला कि शिष्यों ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा। उनका शव पंखे में बंधे भगवा धोती के फंदे से लटका था। पुलिस को वहां आठ पेज का सुसाइड नोट मिला जिसमें आनंद गिरि समेत तीन लोगों से प्रताड़ित होने का जिक्र है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम से मौत की वजह साफ होगी। सुसाइट नोट की हैंड राइटिंग की भी जांच होगी। इस बीच हरिद्वार में महंत के विवादित शिष्य आनंद गिरि और प्रयागराज में दो अन्य शिष्यों मुख्य पुजारी आद्या तिवारी और संदीप तिवारी को पुलिस हिरासत में लिया है। इन तीनों का नाम सुसाइड नोट में है।

कई दिन से तनाव में थे और ज्यादा झुंझलाने लगे थे महंत – पुलिस को शिष्यों से बातचीत में पता चला है कि पिछले पांच दिन से महंत नरेंद्र गिरि खासे तनाव और चिंता में दिख रहे थे। वह बात-बात पर झुंझलाने भी लगे थे। इस बीच जांच में जुटी पुलिस ने श्री मठ बाघम्बरी गद्दी के मुख्य गेट और भीतर लगे अलग अलग सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच और शिष्यों से पूछताछ शुरू की है।

आनंद गिरि ने कहा, हत्या की गई है, होनी चाहिए जांच– आइजी जोन ने बताया कि सुसाइड नोट में महंत ने लिखा है कि वह सम्मान से जीवन जीते रहे लेकिन अब अपमानित होकर जीना पड़ रहा है। सुसाइड नोट में शिष्य से दुखी होने की बात है। इस बीच खबर है कि महंत से विवाद के बाद सुर्खियों में आए शिष्य नरेंद्र गिरि ने इस घटना को कत्ल करार दिया है और कहा कि यह बड़ी साजिश है। उन्हें प्रताडित कर अपनी जान देने मेरा नाम सुसाइड नोट में लिखने के लिए मजबूर किया गया। मैंने तो माफी मांग ली थी और गुरू जी ने माफ भी कर दिया था। इस घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। मैंने खुद और गुरू जी की हत्या की आशंका जाहिर की थी। आनंद गिरि ने पुलिस के एक बड़े अधिकारी और एक भू-माफिया को इस साजिश के पीछे बताते हुए जांच कराने की बात कही है।

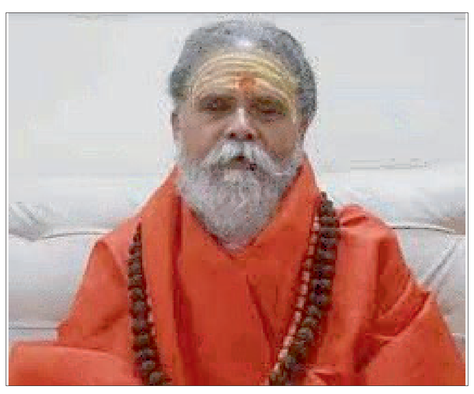

महंत की मौत की खबर फैलने पर शहर भर से उनके भक्त मठ पर जुट गए। पुलिस को भीड़ को संभालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। रात नौ बजे तक बाघम्बरी मठ के भीतर पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीम ही रही। रात करीब पौने दस बजे फोरेंसिक टीम मठ से निकली। पार्थिव शरीर रखने के लिए डीप फ्रीजर मंगाया गया।

संगम तट स्थित लेटे हनुमान मंदिर के महंत स्वामी नरेंद्र गिरि और उनके शिष्य चर्चित योग गुरू आनंद गिरि के बीच पिछले दिनों विवाद सुर्खियों में रहा है। आनंद गिरि को अखाड़ा परिषद तथा मठ बाघम्बरी गद्दी के पदाधिकारी के पद से निष्कासित कर दिया गया था। तब दोनों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी किए थे। तमाम साधु संत ने महंत नरेंद्र गिरि का समर्थन किया था। नरेंद्र गिरि ने कहा था कि आनंद गिरि माफी मांगे तब उनके बारे में कुछ सोचा जा सकता है। बाद में आनंद गिरि ने माफी मांग ली थी। हालांकि, उनका निष्कासन वापस नहीं किया गया। रात करीब साढ़े सात बजे शव वाहन मठ के भीतर पहुंच गया था। पुलिस अधिकारियों की बातों से अनुमान है कि सुबह महंत के पार्थिव शरीर का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसकी तैयारी की जा रही है। सीएमओ को जिला प्रशासन से इस बारे में निर्देश दिया जा चुका है। तब तक शव को डीप फ्रीजर में रखा जाएगा। सुबह नौ बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ भी प्रयागराज आ रहे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या रात में आ रहे हैं। महंत नरेंद्र गिरि पिछले करीब दो दशक से साधु संतों के बीच अहम स्थान रखते थे। प्रयागराज आगमन पर बड़े नेता हों या फिर आला पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी, वे महंत से आशीर्वाद लेने और लेटे हनुमान जी का दर्शन करने जरूर जाते रहे हैं।

अमेरिकी 'टामहाक' से चीन की दादागीरी पर लगेगा अंकुश

वाशिंगटन। चीन ने हाल के वर्षों में अपनी सैन्य ताकत में काफी इजाफा किया है। दक्षिण चीन सागर से लेकर भारत की सीमा पर उसकी हरकतों से उसके हर पड़ोसी परेशान है। चीन की नौसेना का विस्तार हो रहा है। अमेरिकी अधिकारियों की मानें तो दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे तेजी से चीन की सैन्य क्षमता में इजाफा हुआ है। चीन ने इसके विकास में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसके मद्देनजर अमेरिका ने आस्ट्रेलिया की सैन्य क्षमता को मजबूत करने का निर्णय लिया है। क्षेत्रीय संतुलन को स्थापित करने के लिए अमेरिका की अगुआई में कई तरह के गठबंधन बनाए जा रहे हैं। इसका मकसद चीन के प्रभुत्व को सीमति करना है। इसी क्रम में अमेरिका अब अपनी माडर्न सैन्य तकनीक और हथियार आस्ट्रेलिया को देने पर राजी हुआ है। अमेरिका आस्ट्रेलिया को बेहद घातक परमाणु पनडुब्बी और अमेरिकी ब्रह्मास्त्र कहे जाने वाली टामहाक क्रूज मिसाइलें देने को तैयार हो गया है। खास बात यह है कि ब्रिटेन के बाद आस्ट्रेलिया दुनिया का ऐसा देश है, जिसे ये महाविनाशकारी हथियार मिलेंगे। आखिर क्या है टामहाक की खूबियां। आखिर इस मिसाइल से अमेरिका को कैसे मिला महाशक्ति का दर्जा। इस मिसाइल से चीन की दादागीरी पर क्या पड़ेगा प्रभाव।

अमेरिका में कोरोना का कहर, एक दिन में 2,579 मौतें, ब्राजील में 935 और रूस में 793 की गई जान

वाशिंगटन। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भारत की स्थिति पर पश्चिमी मीडिया का हायतौबा मचाना सबको याद है लेकिन अब ऐसे ही हालात सबसे शक्तिशाली और साधन संपन्न देश अमेरिका में देखने को मिल रहे हैं। अमेरिका संक्रमण के दैनिक मामलों में गिरावट आने के बावजूद प्रतिदिन औसतन 2,000 मौतें हो रही हैं और संक्रमण के 99 फीसद मामलों में वायरस का डेल्टा वैरिएंट ही मिल रहा है। यही नहीं रूस और ब्राजील कोरोना महामारी की मार से बुरी तरह प्रभावित हैं।

एक दिन में 2,579 लोगों की मौत

अमेरिकी अखबार 'द न्यूयार्क टाइम्स' के मुताबिक शनिवार को अमेरिका में मौतों का सात दिनों का औसत 2,012 तक पहुंच गया जब शुक्रवार को देश में 2,579 मौतें दर्ज की गईं। 13 सितंबर को कोरोना के दैनिक नए मामलों का आंकड़ा 2.85 लाख तक पहुंच गया था लेकिन उसके बाद से उसमें कमी आई है और शुक्रवार को देश में 1.65 लाख नए मामले दर्ज किए गए।

अस्पतालों में बढ़ रही बच्चों की संख्या

सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने शनिवार चेताया कि देश में बच्चों की अस्पताल में भर्ती होने की दर बढ़ रही है। देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. एंथनी फासी ने कहा, 'अब अस्पतालों में ज्यादा बच्चे आ रहे हैं क्योंकि डेल्टा वैरिएंट बड़ों-बच्चों सभी में ज्यादा तेजी से फैलता है।' वहीं समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक एरिजोना में कोरोना संक्रमण से 108 लोगों की मौत हुई जबकि 2,742 नए मामले सामने आए। एरिजोना में अब तक 19,487 लोगों की महामारी से मौत हो गई है।

जी-7 सम्मेलन में ही बन गई थी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए नए गठबंधन की योजना

लंदन। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन से मुकाबले के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया के बीच बने नए गठबंधन (एयूकेयूएस) की भूमिका जून में ब्रिटेन के कार्नवल में हुए जी-7 सम्मेलन में ही तैयार कर ली गई थी। इस सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे और उनको इसकी भनक तक नहीं लगने दी गई। 'द टेलीग्राफ' की एक रिपोर्ट के अनुसार जी-7 सम्मेलन में नए गठबंधन पर वार्ता के दौरान ही फ्रांस के पनडुब्बी सौदे को रद करने का फैसला ले लिया गया था। उस समय ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने चेतावनी भी दी थी कि इससे चीन और फ्रांस दोनों से ही संबंधों पर बुरा असर पड़ सकता है लेकिन इस त्रिपक्षीय गठबंधन के संबंध में किसी से भी बातचीत नहीं की गई और गठबंधन को लेकर हुई वार्ता को 'टाप सीक्रेट' के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया।

मुश्किल में इमरान:लामाबाद के जामिया हफ्सा में फिर लहराए तालिबानी झंडे

संचालक ने पुलिस से कहा- तुम्हें पाकिस्तान तालिबान सबक सिखाएगा

इस्लामाबाद। तालिबान को समर्थन देकर दुनिया में अलगथलग पड़ चुके पाकिस्तान की घर में भी मुसीबत बढ़ गई है। इस्लामाबाद के जामिया हफ्सा मदरसे में एक बार तालिबान के झंडे लहराते नजर आए। बदनामी के डर से घबराई इमरान खान सरकार ने जब इन झंडों को हटवाने के लिए वहां पुलिस भेजी तो उसे खाली हाथ लौटना पड़ा। यहां के संचालक मौलाना अब्दुल अजीज ने पुलिस को धमकी दे दी। उसने पुलिस से कहा- तुम वहां क्यों नहीं जाते जहां गलत काम होते हैं, यहां बच्चों को डराने आ गए। तुमसे तो पाकिस्तान तालिबान ही निपटेंगे।15 अगस्त को काबुल पर कब्जे के साथ ही तालिबान ने पूरे अफगानिस्तान पर हुकूमत कायम कर ली थी। इसके बाद पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद समेत देश के कई हिस्सों में तालिबान के झंडे फहराए गए और रैलियां निकाली गईं। दुनियाभर में मीडिया ने इन घटनाओं को कवर किया था।

कट्टरपंथी बेखौफ

इस्लामाबाद के सेंटर में मौजूद जामिया हफ्सा की छत पर एक बार फिर तालिबान के झंडे लहराते नजर आए। होम मिनिस्ट्री ने फौरन पुलिस को वहां भेजा और झंडे उतवाने को कहा। पुलिस जब वहां पहुंची तो यहां का संचालक मौलाना अजीज पुलिस से ही भिड़ गया और उन्हें खुली धमकी दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उसने पुलिस से कहा- गलत कामों को रोकने नहीं हो। यहां बच्चियों पर

जुल्म ढाने आ गए। ये नौकरी छोड़ो। ऊपर वाला दूसरी अच्छी नौकरी देगा। अब तो तुम्हे पाकिस्तान तालिबान ही सबक सिखाएंगे।

महिलाएं भी मौजूद

इस मदरसे में सैकड़ों लड़कियां भी पढ़ती हैं। घटना के वक्त ये भी जामिया हफ्सा में मौजूद थीं। यहां कुछ महीने पहले महिलाओं ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के पुतले का सिर भी काटा था। घटना के बाद मौलाना अब्दुल अजीज और उसके कुछ साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। 'डॉन न्यूज' के मुताबिक, अजीज के खिलाफ जल्द ही कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन पुलिस को इसमें हिंसा की आशंका है।

एके-47 लेकर बैठ गया मौलाना अजीज

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस रविवार को जामिया हफ्सा से तालिबान के झंडे उतरवाने में नाकाम रही। उसके अफसर इस मदरसे के अंदर तक नहीं जा सके। पुलिस के पहुंचने के कुछ देर बाद ही मौलान अब्दुल अजीज अपने दफ्तर के बाहर एके-47 लेकर बैठ गया। इस दौरान छात्राएं मदरसे की छत पर जुट गईं और तालिबान के झंडे लहराती रहीं। इन लोगों ने पुलिस के लोगों से बदसलूकी की और तंज कसे। अजीज ने पुलिस से कहा- अगर यहां कोई भी कार्रवाई की गई तो अंजाम बहुत बुरा होगा। इसके बाद पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। हालांकि, इस्लामाबाद पुलिस के डिप्टी कमिश्नर ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि झंडे उतरवा लिए गए हैं, लेकिन कई मीडिया हाउस ने इसके फोटोग्राफ जारी करके उनके दावे को खोखला करार दिया।

रूस की यूनिवर्सिटी में फायरिंग:पर्म यूनिवर्सिटी में छात्र ने ही साथियों पर ताबड़तोड़ गोलियां दागीं, 8 की मौत

जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदे स्टूडेंट

मोस्को। रूस के पर्म शहर की यूनिवर्सिटी में सोमवार सुबह एक छात्र ने अधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई इस गोलीबारी में कम से कम आठ लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों के मुताबिक हमले में छह लोग घायल भी हुए हैं। हमलावर से बचने के लिए वहां मौजूद छात्रों और कर्मचारियों ने खुद को कमरों में बंद कर लिया था और उसे अंदर आने से रोकने के लिए कुर्सियों से बैरिकेड्स बना दिए।

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता नतालिया पेचिश्चेवा ने कहा कि मास्को से करीब 1,300 किलोमीटर (800 मील) पूर्व में पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी में गोलीबारी के बाद बंदूकधारी को मार गिराया गया है। घटनास्थल के फुटेज में उनका शरीर बाहर जमीन पर पड़ा दिख रहा है। पहले कहा जा रहा था

कि पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है और वह घायल है। वहीं स्थानीय मीडिया की तरफ से चलाए जा रहे वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि छात्र जान बचाने के लिए इमारत की पहली मंजिल की खिड़कियों से कूद रहे हैं।

स्थानीय मीडिया ने बंदूकधारी की पहचान एक 18 वर्षीय छात्र के रूप में की, जिसने पहले एक राइफल और गोला-बारूद के साथ सोशल मीडिया पर खुद की तस्वीर पोस्ट की थी।त स्वीर के साथ हमलावर ने लिखा, मैंने इस बारे में लंबे समय से सोच रहा हूं, कई साल हो गए हैं और मुझे एहसास हुआ कि मैंने जो सपना देखा था, उसे पूरा करने का समय आ गया है। रूस के गृह मंत्रालय ने बताया घटना के बाद जांच समिति ने मामले की जांच शुरू कर दी है।यह हमला 2018 के बाद से रूस की सबसे घातक गोलीबारी की घटनाओं में से एक है। इससे पहले क्रीमिया के एक कालेज में एक छात्र ने 20 लोगों की हत्या कर दी थी। बता दें कि रूस में नागरिकों को बन्दूक रखने पर सख्त प्रतिबंध है, लेकिन शिकार, आत्मरक्षा या खेल प्रतियोगिता के लिए इसे खरीदा जा सकता है।

अफगानिस्तान में लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी, यूनेस्को और यूनिसेफ ने जताई चिंता

काबुल। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा कि अफगान लड़कियों के स्कूलों को बंद करना शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूनेस्को के महानिदेशक आद्रे अजोले ने एक बयान में कहा कि अगर लड़कियों के स्कूल बंद रहते हैं, तो यह लड़कियों और महिलाओं के लिए शिक्षा के मौलिक अधिकार का एक महत्वपूर्ण उल्लंघन होगा। अजोले ने कहा, यूनेस्को ने चेतावनी दी है कि यदि लड़कियों को शिक्षा के सभी स्तरों पर तेजी से लौटने की अनुमति नहीं दी जाती है तो इसके अपरिवर्तनीय परिणाम होंगे। विशेष रूप से, माध्यमिक विद्यालय में

लड़कियों की देरी से वापसी से उन्हें शिक्षा और अंततः जीवन में पीछे छूटने का जोखिम हो सकता है। यह शिक्षा से पूरी तरह से बाहर होने के जोखिम को बढ़ाता है। यह लड़कों और लड़कियों के बीच सीखने की असमानताओं को और बढ़ा सकता है और अंततः लड़कियों की उच्च शिक्षा और जीवन के अवसरों तक पहुंच में बाधा उत्पन्न कर सकता है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूनेस्को और यूनिसेफ दोनों ने कहा है कि अफगानिस्तान ने शिक्षा के क्षेत्र में विशेष रूप से लड़कियों की शिक्षा में महत्वपूर्ण काम किया किया है और उन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए।

इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों ने ली तालिबान पर हमले की जिम्मेदारी, सीरियल बम धमाकों का दावा

काहिरा। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट(आइएस) के आतंकवादियों ने तालिबान पर हमले का दावा किया है। इस्लामिक स्टेट ने पूर्वी अफगानिस्तान में तालिबान के वाहनों को निशाना बनाने के लिए किए गए सिलसिलेवार बम धमाकों की जिम्मेदारी ली है। आतंकवादी संगठन आइएस की मीडिया शाखा आमक समाचार एजेंसी पर रविवार देर रात प्रकाशित किया गया दावा तालिबान के लिए उनके लंबे समय से प्रतिद्वंद्वियों द्वारा बढ़ते खतरे का संकेत देता है। आईएस के गढ़ प्रांतीय शहर जलालाबाद में रविवार और शनिवार को हुए हमलों में कई तालिबान आतंकियों सहित कम से कम आठ लोग मारे गए थे। तालिबान ने पिछले महीने एक अभियान में अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया काबुल की राजधानी को भी हथिया लिया। जब यू.एस. और नाटो अपने सैनिकों को वापस लेने के अंतिम चरण में थे। अमेरिका का अंतिम विदेशी सैनिक 30 अगस्त को रवाना हुआ।अफगानिस्तान पर शासन करने की कोशिश में तालिबान को अब बड़ी आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और आइएस के हमलेउन प्रयासों को और जटिल बना दे रहे हैं। बता दें कि विदेशी सैनिकों के अफगानिस्तान की धरची छोड़ने से पहले तालिबान और आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट(आइएस) चरमपंथी दुश्मन थे। दोनों समूह इस्लाम की कठोर व्याख्या की सदस्यता लेते हैं लेकिन तालिबान ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण रखने पर ध्यान केंद्रित किया है जबकि अफगानिस्तान और अन्य जगहों पर आईएस के सहयोगी वैश्विक जिहाद का आह्वान करते हैं।

अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत स्थित जलालाबाद में शनिवार को तालिबानी लड़ाकों को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार तीन धमाकों में तीन की मौत हो गई, जबकि 21 घायल हो गए। देश की सत्ता पर कब्जे के बाद नंगरहार में तालिबान पर हमले की यह पहली घटना है। द खामा प्रेस न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जलालाबाद स्थित प्रांतीय अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से दो की मौत हो गई।

नेपाल सरकार लाएगी विनियोग विधेयक, विपक्ष के विरोध के बीच वित्त मंत्री करेंगे पेश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच सोमवार सुबह निचले सदन में समर्थन के लिए एक विनियोग विधेयक पेश करने की योजना बनाई है। वित्त मंत्री जनार्दन शर्मा विधेयक को पेश करेंगे। हालांकि, इसके आगे बढ़ने की संभावना बेहद कम है क्योंकि मुख्य विपक्षी दल सीपीएन-यूएमएल संसद को लगातार बाधित कर रहा है। उन्होंने कहा है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं तक तक विरोध जारी रहेगा। इस बीच, सत्तारूढ़ गठबंधन दलों ने सभी सांसदों को सदन की बैठक में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। विनियोग विधेयक को निचले सदन से अभी तक समर्थन नहीं मिला है। प्रावधान के अनुसार 60 दिनों के भीतर अध्यादेश पारित करना होता है। इसी आधार पर विनियोग विधेयक बुधवार तक पारित हो जाना चाहिए था। विपक्ष

के विरोध के बीच सरकार 10 सितंबर को अध्यादेश बजट को बदलने का विधेयक लेकर आई थी। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने रविवार को सातवें संविधान दिवस पर देश के संविधान की रक्षा और उसे लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। संविधान सभा ने भारत की सीमा से लगे दक्षिणी नेपाल के जिलों में विरोध-प्रदर्शनों के बावजूद 19 सितंबर, 2015 को नए संविधान को लागू करने की घोषणा की थी। देश को संबोधित करते हुए देउबा ने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा छह साल पहले संविधान लागू करने की घोषणा किए जाने पर गर्व प्रकट किया। उन्होंने देश के शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। देउबा ने कहा, 'नेपाल का संविधान अमर शहीदों के सपने और नेपाली लोगों की आकांक्षाओं को साकार करता है। हमारा लक्ष्य संविधान को सफलतापूर्वक लागू कर लोगों की खुशी के साथ देश में समृद्धि लाना है।

काबुल में महिलाओं ने तालिबानी नीतियों का किया विरोध-प्रदर्शन, लड़कियों के स्कूल जाने की पाबंदी के बाद समान अधिकार की उठी मांग

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से लगातार हालात बिगड़ रहे हैं। विशेषतौर पर महिलाओं की स्थिति यहां पर बिगड़ रही है। तालिबान द्वारा लगातार नए-नए फरमान लागू किए जा रहे हैं। हाल ही में यहां पर लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी लगाई गई है, जिसके बाद महिलाओं ने राजधानी काबुल में तालिबान की नीतियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक, काफी संख्या में अफगानी महिलाओं ने काबुल में समान अधिकार और कार्य की मांग की। खामा न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को

इन महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कई स्लोगन का इस्तेमाल किया, जिसमें- हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी शक्ति का निष्कर्ष है और शिक्षा, कार्य से संबंधित नारे लगाए लगाए। वहीं तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि वे महिलाओं के लिए शरिया कानून के तहत एक शक्तिशाली और प्रभावी प्रशासन की स्थापना करेंगे। हाल ही में एक साक्षात्कार में प्रवक्ता ने कहा था कि पूर्व मंत्रालय ने अफगान महिलाओं के जीवन की बेहतरी के लिए कुछ नहीं किया। मुजाहिद ने कहा कि मंत्रालय के अस्तित्व के बावजूद, महिलाएं को ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी बुनियादी व्यवस्था नहीं दी गई थी।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने अफगान में लड़कियों के स्कूलों को बंद करना शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया था। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार यूनेस्को के महानिदेशक आंड्रे अजोले ने एक बयान में कहा था कि अगर लड़कियों के स्कूल बंद रहते हैं, तो यह लड़कियों और महिलाओं के शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा।

तालिबान सरकार में तेल कंपनियों की मनमानी, काबुल में बढ़ने लगे पेट्रोल-डीजल के दाम

काबुल। काबुल और अफगानिस्तान के अन्य क्षेत्रों में तालिबान सरकार के आने के बाद तेल कंपनियों ने मनमानी शुरू कर दी है। पिछले एक हफ्ते में ईंधन की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। ये कंपनियां कीमत से ज्यादा दाम वसूल रही हैं। जनता ने तालिबान सरकार से इन कंपनियों पर अंकुश लगाने की अपील की है। टोलो की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले हफ्ते गैस की कीमतों में 15 अफ्स प्रति किलो और पेट्रोल की कीमतों में चार अफ्स की वृद्धि हुई है। काबुल में दुकानदारों का दावा है कि ईंधन आयात करने वाली कंपनियों ने ईंधन की

कीमतों में बढ़ोतरी की है, जिसके कारण ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है।

जबरन वसूली को रोकने की मांग:टैक्सी चालक का काम करने वाले अब्दुल हादी का कहना है कि कभी-कभी पेट्रोल के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। हम 320 अफ्स में 5 लीटर तेल खरीदते हैं, कभी-कभी इसके लिए हमें 330 अफ्स देने पड़ रहे हैं। आर्थिक स्थिति अभी अच्छी नहीं है। स्थानीय निवासियों ने तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार से ईंधन आयात करने वाली कंपनियों द्वारा जबरन वसूली को रोककर ईंधन शुल्क को कम करने के लिए कहा है।

कई संकटों से जूझ रहा अफगानिस्तान:देश से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी और अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के शासन का एक महीमना पूरा हो चुका है। काबुल के तालिबान केकब्जे और पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार गिरने के बाद देश कई संकटों से जूझ रहा है।

पाकिस्तान: मस्जिद में पानी लेने गए हिंदू शख्स को किया गया प्रताड़ित, नहीं हो रही सुनवाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब एक और हिंदू परिवार मुश्किल में पड़ गया है। दरअसल, पंजाब प्रांत में एक मस्जिद से पीने का पानी को लाने पर बवाल मच गया। मस्जिद में प्रवेश कर पानी लिए जाने के आरोप में हिंदू शख्स को बंधक बना लिया गया। उसपर आरोप लगाया गयि है कि शख्स ने धार्मिक स्थल की पवित्रता का उल्लंघन किया है। वहीं, धर्म के नाम पर अपनी रोटियां सेक रहे लोगों ने शख्स को बुरी तरह से प्रताड़ित भी किया।

पंजाब के रहीमियार खान शहर के रहने वाले आलम राम भील अपनी पत्नी समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ एक खेत में कच्चा कपास उठा रहे थे। भील ने बताया कि जब उनका परिवार एक नल से पीने का पानी लेने के लिए पास की एक मस्जिद के बाहर गया, तो कुछ स्थानीय जमींदारों ने उन्हें पीटा। डान अखबार इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जब परिवार कपास

पंजाब के रहीमियार खान शहर के रहने वाले आलम राम भील अपनी पत्नी समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ एक खेत में कच्चा कपास उठा रहे थे। भील ने बताया कि जब उनका परिवार एक नल से पीने का पानी लेने के लिए पास की एक मस्जिद के बाहर गया, तो कुछ स्थानीय जमींदारों ने उन्हें पीटा।

को उतार कर घर लौट रहा था, तो जमींदारों ने उन्हें अपने आउटहाउस में बंधक बना लिया और मस्जिद की पवित्रता का उल्लंघन करने के लिए उन्हें फिर से प्रताड़ित किया। भील बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया क्योंकि हमलावर प्रधानमंत्री इमरान खान की सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के एक स्थानीय सांसद से संबंधित थे।

इसके बाद पुलिस के खिलाफ विरोध करते हुए भील ने कबीले के एक अन्य सदस्य पीटर जान भील के साथ थाने के बाहर धरना दिया। जिला शांति समिति के सदस्य पीटर ने कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ पीटीआई विधायक जावेद वरियाच से संपर्क किया, जिन्होंने शुक्रवार को मामला दर्ज करने में उनकी मदद की। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीटर ने जिला शांति समिति के अन्य सदस्यों से इस मुद्दे पर एक आपात बैठक बुलाने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

बायो डि-कंपोजर घोल बनाने की प्रक्रिया की शुरुआत करेंगे केजरीवाल : गोपाल राय

पूसा के सहयोग से खरखरी नाहर में तैयार किया जाएगा घोल

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। केजरीवाल सरकार ने पिछले साल की तरह इस बार भी इच्छुक किसानों के खेत में बायो डि-कंपोजर का निःशुल्क छिड़काव करने के लिए घोल बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 24 सितम्बर को बायो डि-कंपोजर का घोल बनाने की प्रक्रिया की शुरुआत करेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा के सहयोग से खरखरी नाहर में यह घोल तैयार किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि थर्ड पार्टी ऑडिट की रिपोर्ट से किसान बहुत उत्साहित हैं और गैर बासमती धान वाले खेतों में भी छिड़काव की मांग किए हैं। इसलिए इस बार 2 हजार एकड़ के बजाय 4 हजार एकड़ खेत के लिए घोल तैयार किया जाएगा और इस पर करीब 50 लाख रुपए खर्च आएगा। उन्होंने केंद्र सरकार से पराली और बायो डि-कंपोजर के मुद्दे पर जल्द निर्णय लेने की मांग की, ताकि समय रहते सभी राज्यों में बायो डि-कंपोजर का छिड़काव किया जा सके। उन्होंने केंद्र से अपील की कि इसे इमरजेंसी मानते हुए जल्द कार्रवाई की जाए, ताकि दिल्ली समेत उत्तर भारत के लोगों को पराली की समस्या से निजात मिल सके। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए दिल्ली सरकार लगातार अलग-अलग विभागों के साथ बैठक कर अपना विंटर एक्शन प्लान बनाने की तरफ बढ़ रही है।

थर्ड पार्टी ऑडिट की रिपोर्ट से किसान हैं बहुत उत्साहित : गोपाल राय

सरकार ने पहले से ही की इसकी तैयारी

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि पिछली बार जब हम दिल्ली में पराली से निजात के लिए बायो डि-कंपोजर के छिड़काव की तैयारी कर रहे थे, तब कई किसानों का यह कहना था कि थोड़ा जल्दी तैयारी करनी चाहिए थी, ताकि की गेहूं की बुवाई में देर न हो। पिछली बार हमने 5 अक्टूबर से बायो डि-कंपोजर का घोल बनाना शुरू किया था, लेकिन इस बार सरकार ने पहले से ही इसकी तैयारी करने का निर्णय लिया है। हमने निर्णय लिया है कि हम 24 सितम्बर को बायो डि-कंपोजर घोल बनाने की तैयारी शुरु कर देंगे। इसकी शुरुआत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा की जाएगी। पिछली बार हमने खरखरी नाहर स्थित हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट के नर्सरी में पूरी दिल्ली के लिए सेंट्रलाइज घोल बनाया था। इस बार भी वहीं पर 24 सितम्बर से सेंट्रलाइज घोल बनाना शुरू करेंगे। 29 सितम्बर तक हम घोल की मात्रा को दोगुना कर लेंगे और 5 अक्टूबर तक छिड़काव के लिए घोल बनकर तैयार हो जाएगा। 5 अक्टूबर के बाद जहां से भी दिल्ली के अंदर मांग आएगी, हम वहां पर छिड़काव की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। पिछली बार हमने 5 अक्टूबर से घोल बनाने की प्रक्रिया शुरू की थी, जबकि इस बार 5 अक्टूबर तक घोल बना कर तैयार कर लेंगे।

दिल्ली जल बोर्ड में करोड़ों के घोटाले पर डाला जा रहा है पर्दा : भाजपा

घोटाले की सीबीआई जांच कराने की उठाई मांग

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली जल बोर्ड पर एक नए 14.41 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान हुए इससे घोटाले पर केजरीवाल सरकार पिछले सात सालों से पर्दा डाल रही है।

आदेश गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इस घोटाले की तुरंत सीबीआई जांच कराने और मुख्यमंत्री से इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष राजन तिवारी एवं प्रदेश प्रवक्ता हरीश खुराना और आदित्य झा उपस्थित थे। गुप्ता और रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली सरकार पर घोटाले की सरकार का आरोप लगाते हुए जलबोर्ड घोटाला, नई शराब नीति, गरीबों को राशन बांटने और बरसात से पूर्व नालों की सफाई कराने के मामलों में करोड़ों रुपए के खेल किए जाने के मामले की तुरंत जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जुलाई 2012 में दिल्ली जल बोर्ड और यूनियन बैंक के बीच एक बिल को जमा करने के लिए एक करार किया गया। इसके तहत लोग अपने पानी के बिल बैंक में जमा कर सकते हैं। इस करार को उसी दिन बैंक ने एक अन्य कंपनी फ्रेश पे के हवाले कर दिया। बैंक ने फ्रेश पे कंपनी से 1.25 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी भी मांगी जो कि मूल करार में नहीं है। हैरानी की बात यह है कि इस फ्रेश पे कंपनी ने भी पैसे एकत्र करने की जिम्मेदारी आगे एक और कंपनी एरम ई पेमेंट को दे दी। इस तरह मूल करार तीसरे कंपनी को सबलेट कर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि जून 2020 में जल बोर्ड ने बैक से कहा कि उसने 14.41 करोड़ रुपए कम जमा कराए हैं। बैंक ने 1.12 करोड़ रुपए जमा करने की जानकारी दी लेकिन यह राशि भी जल बोर्ड के खाते में जमा नहीं हुई।

इस तरह से जल बोर्ड का 14.41 करोड़ रुपए गबन कर लिया गया लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार और दिल्ली के मुख्यमंत्री को इस बारे में किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की। गुप्ता और बिधूड़ी ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाने और मामले की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जल बोर्ड के मंत्री सत्येन्द्र जैन और राघव चड्ढा की सीधी जिम्मेदारी बनती है और इन्हीं की मिलीभगत से या गड़बड़ी हुई है।

संक्षिप्त खबर

आप आदमी पार्टी कृष्णा नगर के कार्यालय का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी कृष्णा नगर के कार्यालय का उद्घाटन राम निवास गोयल (अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा) के कर कमलों द्वारा किया गया इसमें विशिष्ट अतिथि विधायक एस.के.बग्गा ने आने वाले निगम चुनावों में भारी बहुमत से जीतने का दावा किया। विकास बग्गा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की इसमें दीपांशु श्रीवास्तव, डॉक्टर प्रोफेसर संजीव आचार्य,निगम पार्षद रेखा दिक्षित, विजय कुमार, वीरेंद्र जैन, बलदेव छाबरा, रवि चौधरी, पंकज जैन, श्रवण दीक्षित, मुकेश बग्गा, विजय जैन, अजय मेहता और भारी संख्या में आम आदमी कार्यकर्ता उपस्थित रहे

महिला से युवक ने किया दुष्कर्म

नई दिल्ली। पंजाबी बाग इलाके में स्कूल में साथ पढ़ने वाली एक महिला से फेसबुक पर दोस्ती कर एक युवक ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी ने महिला का वीडियो बना लिया और उसके परिजनों को वीडियो और उनके संबंधों को बताने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोपी से परेशान होकर महिला ने परिजनों को खुद ही वारदात की जानकारी दी। जिसके बाद मामले की शिकायत पंजाबी बाग थाने में दी गई। पंजाबी बाग थाना पुलिस ने मामले में प्राथमिक जांच के बाद दुष्कर्म व अन्य कई धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला अपने परिवार के साथ जनकपुरी इलाके में रहती है और शादीशुदा है। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया कि आरोपी युवक बृजेश उसके साथ स्कूल में पढ़ाई करता था। स्कूल छोड़ने के बाद उसकी कभी बृजेश से मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 2019 में उसने फेसबुक पर महिला को फ्रेंड रिकवेस्ट भेजी। महिला ने फ्रेंड रिकवेस्ट एक्सेप्ट कर ली और दोनों की बातें होने लगी। एक दिन आरोपी ने पंजाबी बाग में महिला को मिलने के लिए बुलाया और बताया कि स्कूल के ही कई ओर दोस्त भी मौजूद होंगे। महिला आरोपी से मिलने के लिए पहुंची तो आरोपी ने उसे अपनी गाड़ी में बैठने के लिए कहा। गाड़ी में बैठने के बाद महिला को आरोपी ने कुछ सुंघाया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। आरोपी ने बेहोशी का फायदा उठाकर महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुकी नेशनल फ्रंट के एक उग्रवादी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उग्रवादी संगठन कुकी नेशनल फ्रंट के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि कुकी नेशनल फ्रंट के गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान मंगखोलम किपगेन उर्फ डेविड किपगेन के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि वह मणिपुर के विभिन्न थानों में पुलिस से हथियारों को छीनने, फिरौती, गोलीबारी, जबरन वसूली, लूट समेत विभिन्न आपराधिक मामलों में वांछित है।

एनएमआरसी व प्राधिकरण में इंटर्नशिप की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ी

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल निगम और नोएडा प्राधिकरण से संबंधित कामकाज के लिए इंटर्नशिप की शुरुआत अब अगले माह से होगी। आवेदन करने की तय तिथि में छात्रों के नहीं आने पर अब इसको बढ़ाकर 30 सितंबर कर दिया गया है। पहले इसकी शुरुआत 21 सितंबर को होनी थी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में पहली बार कोई सरकारी विभाग इंटर्नशिप करा रहा है। इसकी शुरुआत नोएडा प्राधिकरण व नोएडा मेट्रो रेल निगम ने की है। दोनों ही महकमों से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए छात्रों से आवेदन मांगे गए थे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर थी। तय समय में कम आवेदन आए। इसके बाद इसको बढ़ाकर 23 सितंबर किया गया, लेकिन रविवार तक भी करीब 10 आवेदन आए। ऐसे में एक बार फिर आवेदन की समय सीमा बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि इंटर्नशिप के लिए दो सत्र चलाए जाएंगे। पहला गर्मी और दूसरा सर्दी के समय में। दोनों ही सत्र में 4 से 8 सप्ताह व अधिकतम 4 माह की इंटर्नशिप कराई जाएगी। प्रत्येक सत्र में 250 सीट नोएडा प्राधिकरण की और 180 सीट एनएमआरसी की होंगी। आवेदनकर्ता को 4 से 8 सप्ताह के लिए चार हजार रुपये और 8 सप्ताह से अधिक पर और रुपये देने होंगे। इस दौरान अधिकतम चार माह के लिए छह हजार रुपये फीस जमा करनी होगी।

गौरतलब है कि नोएडा प्राधिकरण और नोएडा मेट्रो रेल निगम में सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं। ऐसे में आने वाले समय में वैकेंसी निकलती हैं तो इंटर्न करने वाले छात्रों को बड़ा लाभ मिलेगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा दोनों शहरों में मेट्रो का विस्तार होने की स्थिति में भी युवाओं को नौकरी मिलने की संभावना बढ़ेगी।

दिल्ली में परेशानी बढ़ा रहा डेंगू का डंक, 200 पार हुआ आंकड़ा; तेजी से सामने आ रहे मामले

नई दिल्ली । राजधानी में हुई रिकार्डस्तर की बरसात के चलते इस वर्ष मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि बीते एक सप्ताह में डेंगू के 53 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। इससे इस वर्ष कुल मरीजों की संख्या ने दो सौ का आंकड़ा पार कर दिया है। अब तक 211 सामने आ चुके हैं। इसी तरह बीते एक सप्ताह में मलेरिया के 18 नए मरीजों के साथ 86 तो वहीं, चिकनगुनिया के चार नए मरीजों के साथ कुल मरीजों का आंकड़ा 44 तक जा पहुंचा है। दक्षिणी निगम द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार डेंगू के कुल मरीजों की संख्या वर्ष बीते वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। बीते वर्ष 18 सितंबर तक 172 मरीजों की पुष्टि हुई थी जबकि इस वर्ष 211 मरीज सामने आ चुके हैं।

राजधानी में इस वर्ष डेंगू का सर्वाधिक प्रकोप दक्षिणी निगम क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। कुल 211 मरीजों में से 58 मरीज दक्षिणी निगम क्षेत्र से हैं जबकि उत्तरी निगम क्षेत्र से 49 तो पूर्वी निगम क्षेत्र से 24 मरीज हैं। 13 मरीज नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) से हैं तो दिल्ली कैंट से दो जबकि 65 मरीजों के पते की पुष्टि नहीं हुई है।

मलेरिया के मरीजों की बात करें तो सर्वाधिक मरीज उत्तरी निगम इलाके से हैं। यहां पर 86 मरीजों में उत्तरी निगम क्षेत्र में 22, दक्षिणी निगम क्षेत्र में 15, पूर्वी निगम क्षेत्र में 14 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। एक मरीज दिल्ली कैंट इलाके से हैं और 34 मरीजों के पते की पुष्टि नहीं हुई है। चिकनगुनिया के 44 मरीजों में से 12 मरीज उत्तरी निगम क्षेत्र से हैं तो वहीं नौ मरीज दक्षिणी निगम क्षेत्र से और एक मरीज पूर्वी निगम क्षेत्र से है। दो मरीज एनडीएमसी से और 20 मरीजों के पते की पुष्टि नहीं हुई है।

दिल्ली के बिंदापुर इलाके में रोडरेज में कार सवार डॉक्टर को पीटा, गोली मारने की दी धमकी

नई दिल्ली । बिंदापुर थाना क्षेत्र में रोडरेज की घटना में कार सवार चिकित्सक के साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं बदमाशों ने उन्हें गोली मारने की धमकी भी दी। इस मामले में चिकित्सक के साथ कार में बैठी एक महिला ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। वारदात नवादा मेट्रो स्टेशन के पास की है। पुलिस के अनुसार कार सवार अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान एक कार इनकी कार से सट गई। इसके बाद उस कार से पांच लोग उतरे और चिकित्सक की कार का दरवाजा जबरन खोलने लगे। इस दौरान बदमाशों ने चिकित्सक के साथ मारपीट की।

इस बीच चिकित्सक के साथ कार में बैठी महिला भाग कर द्वारका मोड़ पर बनी पुलिस बूथ में पहुंची। जहां मौजूद पुलिसकर्मियों की मदद से उन्होंने पीसीआर को फोन किया। पुलिसकर्मियों को आता देखकर बदमाश पीड़ित को छोड़ कर भाग गए और जाते जाते उसकी गाड़ी की चाबी लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि बदमाश दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर का नाम लेकर धमकी दे रहे थे।

रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी में एक और गिरफ्तार-वहीं, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने देशभर में 44 लोगों के साथ रेलवे में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 2.44 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के तीसरे सदस्य मोहम्मद राघिब फिरोज उर्फ फिरोज खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर इलाके के सेक्टर जीटा एक स्थित गोल्फ फारेस्ट सोसायटी से रविवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना बिहार के पटना स्थित शिव नंदन अपार्टमेंट निवासी बृज किशोर और यूपी के सहारनपुर जिले के कुलसठ निवासी सचिन कुमार को 28 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि, आरोपित फिरोज फरार चल रहा था।

मणिपुर के एक उग्रवादी संगठन कुकी नेशनल फ्रंट का कमांडर इन चीफ मंगखोलम दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मणिपुर के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कुकी नेशनल फ्रंट के स्वयंभू व कमांडर इन चीफ मंगखोलम किपजेन उर्फ डेविड किपजेन को दिल्ली के द्वारका से गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस की सूचना पर उसे रविवार को दबोच लिया गया। इसके खिलाफ मणिपुर के विभिन्न थानों में पुलिसकर्मियों से हथियार छीनने, लूटपाट, फिरौती के लिए अपहरण, फायरिंग, रंगदारी, डकैती आदि के 40 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। कई मामलों में यह वांछित था। मणिपुर में पुलिस का दबाव बढ़ने पर वह छिपने के लिए भागकर दिल्ली आ गया था। यहीं से यह मणिपुर में अपने संगठन को चला रहा था।

डीसीपी स्पेशल सेल प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक मंगखोलम मणिपुर के जिला कंगपोकपी का रहने वाला है। इसके पास मणिपुर में सशस्त्र उग्रवादियों का बड़ा नेटवर्क है। वह इन दिनों मणिपुर में सड़कों व अन्य प्रतिष्ठानों के निर्माण में शामिल एक कंपनी के कर्मचारियों को फिरौती के लिए अपहरण करने की सजिश रच रहा था। 19 सितंबर की सुबह सेल को सूचना मिली कि मणिपुर के एक उग्रवादी संगठन का मुखिया मंगखोलम सेक्टर 7 द्वारका में किसी से मिलने आने वाला है। एसीपी ललित मोहन नेगी, हृदय भूषण, इंस्पेक्टर रविन्द्र कुमार त्यागी के नेतृत्व में एस आई सचिन, राज कुमार, उमेश, एएसआइ ओमवीर सिंह, नरेंद्र सिंह, सतेंद्र राणा, हवलदार भूपेंद्र की टीम ने उसे दबोच लिया। पूछताछ से पता चला कि वह सातवीं पास है। 2018 में उसने अपने गांव के की केएनएफ कैडर में आया और फिर बदमाशों के साथ मिलकर रंगदारी, लूटपाट व डकैती आदि आपराधिक वारदात करने लगा। मणिपुर का कुख्यात अपराधी बन जाने के बाद उसने जून 2020 में उग्रवादियों का अपना नया संगठन बना लिया और पुलिस कर्मियों से हथियार छीनने, फिरौती के लिए अपहरण, उगाही आदि संगीन आपराधिक वारदात करने लगा। 12 दिसंबर, 2020 की रात उसने साथियों के साथ मिलकर अत्याधुनिक हथियारों से कांगवई पुलिस चौकी, जिला चुराचांदपुर, मणिपुर के दो संतरियों पर हमला कर अपहरण कर लिया था और उनकी एक सर्विस राइफल इंसास लूट लिया था। उक्त मामले में मणिपुर पुलिस ने इसके 8 साथियो को गिरफ्तार कर लिया था। उनके पास से 6 अवैध हथियार व लूटी गई सरकारी इंसास राइफल बरामद कर लिया गया था। मंगखोलम गिरफ्तारी से बचता रहा था। इसी साल बीते 18 फरवरी को इसने साथियों के साथ मिलकर फिरौती के लिए कालापहाड़, चुराचांदपुर, मणिपुर से एक नेपाली नागरिक टिक्कराम रिजाल का अपहरण कर लिया था। इस मामले में हैपी गांव के हाओपिलुन किपगेन और पश्चिम सेल्सी गांव के लालखोहाओ को गिरफ्तार किया गया । हाओपिलुन किपगेन मंगखोलम किपजेन का छोटा भाई है। 13 सितंबर को कुकी के काला दिवस, संहिता नी के दिन केएनएफ ने राज्य में वाहनों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने और सभी प्रशासनिक कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करने की घोषणा की थी। इस समूह ने कांगपोकपी जिले के चम्फाई इलाके में नेशनल हाई 2 के किनारे एक ट्रक की आवाजाही देखी और बंद के आह्वान का उल्लंघन करने पर गोलियां चला दीं। मांगखोलम किपगेन ने प्रेस नोट जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी।

सम्राट मिहिर भोज पर जारी विवाद शांत, गुर्जर विद्या और राजपूत महासभा ने जारी किया संयुक्त बयान

ग्रेटर नोएडा । प्रतिहार वंश के सम्राट मिहिर भोज को लेकर चल रहा विवाद लगता है अब शांत होता नजर आ रहा है। गुर्जर विद्या और राजपूत महासभा ने सोमवार को ग्रेटर नोएडा में प्रेसवार्ता कर विवाद पर विराम लगाने का प्रयास किया। दोनों संगठन के पदाधिकारियों ने साफ किया कि सम्राट मिहिर भोज को लेकर इतिहास की चीरफाड़ करने की जरूरत नहीं है। पत्रकार वार्ता में दावा किया गया है कि राजपूत और गुर्जर के पूर्वज एक ही थे। उनकी उत्पत्ति एक ही जगह से हुई है। दोनों के गोत्रों में भी समानताएं हैं।

पदाधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक फायदे के लिए इसे तूल दे रहे हैं। विरोधी दल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को ख़राब करना चाहते है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों का इतिहास हैं कि वे यहां आने वाले अतिथि का सत्कार करते है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जोरदार स्वागत किया जायेगा। जो युवा विरोध कर रहे है । उन्हें समझाया जायेगा। गुर्जर विद्या सभा के अध्यक्ष राधा चरण भाटी ने कहा कि प्रतिहार सम्राट सभी के हैं। इस मौके पर राजपूत महासभा से रामदेव रावल, सुखवीर सिंह रावल के साथ ही देवेंद्र सिंह खटाना आदि मौजूद रहे।

गौरतलब है कि 22 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा के दादरी में सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण करेंगे, लेकिन दौरे से पहले एक नया विवाद शुरू हो गया है। बता दें कि सम्राट मिहिर भोज को गुर्जर सम्राट बताने पर राजपूत समाज ने आपत्ति जताई है। राजपूत समाज की मानें तो मिहिर भोज राजपूत समाज के पूर्वज हैं। आरोप है कि इस विवाद के बाद भाजपा नेताओं के पोस्टर से मिहिर सम्राट के नाम के आगे से गुर्जर हटा दिया, जिसके बाद गुर्जर समाज के लोगों ने भाजपा के पोस्टरों को फाड़ दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा के दादरी में सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का 22 सितंबर को करने वाले है। इसकी तैयारी का पूरा जिम्मा खुद दादरी विधायक तेजपाल नागर ने उठाया है। यह भी सच है कि गुर्जर समाज दशकों से सम्राट मिहिर भोज को अपना पूर्वज मानता है। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को लेकर दादरी विधायक द्वारा बनवाए पोस्टरों पर भी गुर्जर सम्राट मिहिर भोज लिखा गया है।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी, 6 चुनावी राज्यों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी

नई दिल्ली । दिल्ली में सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी (आप) की निगाहें अब अन्य राज्यों में विस्तार पर है। आम आदमी पार्टी की नजरें अब उन राज्यों में है जहां अगले साल (2022) में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी क्रम में आप ने हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इसकी जानकारी आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश के इंचार्ज रत्नेश गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि नवंबर 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में आप सभी 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात और गोवा के बाद यह 6 वां राज्य है जहां आप विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। इन सभी राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

बता दें कि आम आदमी पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। जिन राज्यों में आप चुनाव लड़ने जा रही है वहां पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता लगातार दौरा कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, आम आदमी पार्टी, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है।

झजबकि गोवा और पंजाब में इससे पहले भी विधानसभा चुनाव लड़ चुकी है। पार्टी को गोवा में तो सफलता नही मिली थी लेकिन पंजाब में पहली बार में ही मुख्य विपक्षी पार्टी बनकर उभरी। वहीं गुजरात के सूरत में इसी साल हुए म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के चुनाव में आप ने 27 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी पार्टी बनी। भाजपा के गढ़ में आप की इस जीत से पार्टी का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है।

दिल्ली मॉडल पर चुनाव लड़ेगी आप

जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं वहां पर आम आदमी पार्टी दिल्ली मॉडल पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। बिजली और पानी मुफ्त देने के साथ ही पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी। आप चुनावी राज्यों की सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। दरअसल पार्टी कांग्रेस की जगह खुद को भाजपा के खिलाफ मजबूत पेश कर जनता के सामने जाने की बात कर रही है और खुद को भाजपा के खिलाफ मजबूत विकल्प की तरह पेश कर रही है।

दिल्ली एम्स की स्मार्ट लैब में मरीज के एक सैंपल से 85 तरह की जांच, जानें रोबोटिक मशीनों की खासियत

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को एम्स के स्मार्ट लैब का दौरा किया। यह स्मार्ट लैब की मदद से ही एम्स की ओपीडी में दिखाने के बाद उसी दिन मरीज की ब्लड जांच सुनिश्चित हो सकेगी। इसलिए स्वास्थ्य मंत्री ने इस स्मार्ट लैब का निरीक्षण किया। एम्स के डाक्टर कहते हैं कि यह देश का सबसे अत्याधुनिक डायग्नोस्टक लैब है, जो पूरी तरह रोबोटिक है। इस लैब में मरीज के एक ब्लड सैंपल से अभी 85 तरह की जांच की जा रही है।

वहीं जांच भी पहले की तुलना में लैब मेडिसिन विभाग में तीन से चार गुना जांच बढ़ गई है। हालांकि, अभी क्षमता से एक चौथाई ही जांच हो पा रही है। इसलिए इस स्मार्ट लैब की मदद से जांच बढ़ाई जा सकती है।

विभाग के डाक्टरों ने बताया कि पहले प्रतिदिन एक हजार से डेढ़ हजार मरीजों के ब्लड सैंपल की जांच होती थी। वहीं मौजूदा समय में प्रतिदिन चार हजार से लेकर 4500 मरीजों के सैम्पल की जांच हो रही है। इस वजह से मरीजों की जांच रिपोर्ट सैंपल लेने के दिन ही देर शाम तक आ जाती है। सामान्य लैब में मरीज की अलग-अलग जांच के लिए ब्लड के अलग-अलग सैंपल लेने पड़ते हैं।

उदाहरण के लिए यदि किसी मरीज को ब्लड काउंट, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फक्शन टेस्ट या कोई और जांच करानी हो तो सामान्य लैब में मरीज के ब्लड से चार-पांच सैंपल लेने पड़ते हैं। मरीज को इस परेशानी से स्मार्ट लैब ने राहत दिला दी है।

विभागाध्यक्ष डा. सुब्रत सिन्हा ने कहा कि लैब में रोबोटिक मशीनें लगी हैं, जो एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। हर मशीन में अलग-अलग मार्कर की जांच होती है। हर सैंपल पर बार कोड होता है, इसके माध्यम से मशीन को यह पता चलता है कि मरीज के सैंपल से कितने तरह की जांच होनी है। सैंपल लगाने के बाद पहली मशीन अपने हिस्से की जांच करने के बाद सैंपल को दूसरे मशीन में स्वयं स्थानांतरित कर देती है। दूसरी मशीन में निर्धारित मार्कर की जांच के बाद सैंपल तीसरे, चौथे, पांचवें और फिर छठे मशीन में पहुंच जाता है।

दो लाख सैंपल के बराबर जांच करने की क्षमता- इस लैब में दो लाख सैंपल के बराबर जांच करने की क्षमता है। मौजूदा समय में प्रतिदिन चार हजार से 4500 मरीजों के करीब 50 हजार सैंपल के बराबर जांच की जा रही है। इस लैब से प्रतिदिन 10 हजार मरीजों की रिपोर्ट तैयार हो सकती है।

डी-डाइमर, सीआरपी, एंटीबाडी इत्यादि जांच में बनी मददगार

स्मार्ट लैब के प्रभारी डा. सुदीप दत्ता ने कहा कि दूसरी लहर में कोरोना के मरीजों के डी-डाइमर, सीआरपी (सी-रिएक्टिव प्रोटीन), एंटीबाडी सहित कई तरह की जांच में भी यह लैब मददगार बनी। इस लैब में आने वाले दिनों में 270 तरह की जांच की जा सकती है।

दिल्ली एम्स में बैठकर छह एम्स के कामकाज की समीक्षा- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने दिल्ली एम्स में बैठकर छह एम्स के कामकाज की समीक्षा की और इलाज की सुविधाएं बेहतर बनाने का निर्देश दिया। इस दौरान भोपाल, भुवनेश्वर, रायपुर, जोधपुर, पटना व ऋषिकेश के निदेशक वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जुड़े हुए थे। इसमें दिल्ली एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया भी शामिल थे।

संपादकीय

विपक्षी एकजुटता की कवायद

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के दिन कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के बुलावे पर विपक्षी नेताओं का एक साथ दिखाई देना तस्वीर में यूं तो अच्छा लगता है, लेकिन तस्वीरें अक्सर पूरा सच नहीं दिखातीं। इसका मायने यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि विपक्षी नेताओं के इकट्ठे होने का कोई मतलब ही नहीं। दरअसल विपक्षी एकता का यह गिलास आधा भरा हुआ है, यानी कुछ के लिए आधा खाली भी है, तो क्या अब उसे पूरा भरने की ईमानदार कोशिश शुरू हो गई है? न जाने क्यों, यहां मुझे बचपन की वह कहानी याद आने लगी है, जिसमें एक राजा गांव के तालाब के उद्घाटन के लिए गांव वालों से एक रात पहले हर घर से एक गिलास दूध तालाब में डालने की मुनादी करवाता है, लेकिन सवेरे तालाब में एक बूंद भी दूध नहीं है, वह पानी से भरा हुआ है, क्योंकि हर गांव वाला यह सोचकर घर से निकला ही नहीं कि केवल उसके एक गिलास दूध न डालने से क्या फर्क पड़ेगा? कमोबेश यही हाल मोदी विरोधी नेताओं और राजनीतिक दलों का लगता है, जो समझते हैं कि एकता की यह जिम्मेदारी दूसरे दलों और नेताओं की है।

सपने देखना किसको अच्छा नहीं लगता, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर कलाम कहा करते थे कि सपने नींद में नहीं आते, सपने वो होते हैं, जो नींद नहीं आने देते, तो क्या विपक्षी नेताओं को मोदी को हटाने के सपने की शिद्दत यह है कि अब इसे पूरा करने के लिए उन्हें नींद नहीं आ रही? क्या उन्होंने अपने स्वार्थों, अहंकार और अपनी-अपनी ताकत के गलत अनुमानों को दूर रखने की कोशिशें शुरू कर दी हैं? ऐसा नहीं है कि इस रास्ते पर चलना शुरू नहीं किया गया है, पिछले छह महीनों में बहुत से लंच, ब्रेकफास्ट और डिनर मीटिंग हो गई हैं। कोलकाता में बड़ी रैली भी हो गई। संसद में कई बार सबको साथ दिखाने की औपचारिकता भी पूरी की गई है। कुछ दिनों पहले मैंने पूर्व वित्त मंत्री और अब टीएमसी नेता यशवंत सिन्हा से पूछा था कि विपक्षी एकता के लिए क्या अभी जयप्रकाश नारायण जैसा लोकप्रिय और सम्मानित नेता या वीपी सिंह जैसी ईमानदारी छवि का लीडर या फिर हरकिशन सिंह सुरजीत जैसा रणनीतिकार है, जो सबको साथ लाने की ताकत और सम्मान रखता हो? यशवंत सिन्हा का जवाब 'ना' में था, तब कैसे सब साथ आएंगे? कुछ दिनों पहले एक पत्रिका के सर्वे में प्रधानमंत्री की लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से गिरना बताया गया है, लेकिन साथ ही, यह भी बताया गया कि उनकी लोकप्रियता तीन बड़े विपक्षी नेताओं, यानी राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की कुल लोकप्रियता के बराबर है या फिर कांग्रेस के तीन नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की कुल लोकप्रियता से ज्यादा है। इसका मतलब यह नहीं है कि अब कुछ नहीं हो सकता, इस विपक्षी राजनीति के अंधेरे में रोशनी की उस किरण को देखिए, जिसमें साल 2019 में करीब 62 फीसदी वोट देश भर में ऐसा था, जो मोदी या भाजपा के खिलाफ दिया गया था, क्या उस तिनके-तिनके को साथ कर जोड़ा नहीं जा सकता? बीजेपी को पिछले चुनाव में 38 फीसद वोट मिला, जबकि कांग्रेस को उससे करीब आधा 20 फीसद वोट मिले, लेकिन मोटे तौर पर विपक्षी एकता में शामिल होने वाले ज्यादातर दलों का कुल वोट भी 20 फीसद तक नहीं पहुंच पाया है, यानी अब भी कांग्रेस ही सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के तौर पर सामने है।

विपक्षी एकता की चर्चा से पहले सवाल यह होना चाहिए कि मोदी विरोधी विपक्ष का मतलब क्या है? किस तरह की विपक्षी एकता की बात हो रही है और किस तरह की एकता चाहिए? विपक्षी नेता इस हकीकत को भले ही न मानें, लेकिन भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी यह बात अच्छे से समझते हैं कि इस एकता का छाता कांग्रेस के पास ही होगा और कांग्रेस का मतलब नेहरू-गांधी परिवार के बिना कुछ नहीं है, इसलिए वह हमेशा इस परिवार पर हमला बोलते हैं, कभी-कभी दूसरे कांग्रेसी नेताओं की तारीफ कर देते हैं। कांग्रेस को सबसे पहले अपने नेतृत्व के मुद्दे को सुलझाना चाहिए, यह कपिल सिब्बल की बर्थडे पार्टी से नहीं सुलझने वाला है और न ही जी-23 ग्रुप के चिट्ठी लिखकर कसमसाने से कुछ होगा। फिर विपक्षी एकता का मायने संसद में किसी मुद्दे पर एकजुटता दिखाना भर नहीं है, उसमें भी कभी राहुल गांधी के बुलावे पर टीएमसी और आम आदमी पार्टी नहीं दिखते, तो कभी सोनिया गांधी की बैठक में आम आदमी पार्टी और बसपा नजर नहीं आते। बहुत से लोग यह तर्क भी देते हैं कि क्षेत्रीय स्तर पर एकता मुश्किल है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा मुमकिन है, आपकी बात मान लेते हैं, लेकिन क्या ऐसा हो रहा है? शिवसेना और कांग्रेस नेताओं के एक साथ चुनाव नहीं लड़ने की बात या फिर कभी शिवसेना के लिए राष्ट्रवाद और राम मंदिर की अहमियत क्या कांग्रेस को परेशान करती है? या क्या एनसीपी नेता शरद पवार की प्रधानमंत्री मोदी के साथ लंबी मुलाकात क्या भ्रम पैदा नहीं करती है? कृषि कानूनों पर विरोध के बावजूद क्या अकाली दल कांग्रेस के साथ खड़े होने को तैयार है? क्या गैर-भाजपा पार्टियां चुनाव पूर्व गठबंधन बनाने को तैयार हो गई हैं? देश भर में 200 से ज्यादा संसदीय सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है, इनमें से करीब 90 फीसदी सीटें कांग्रेस ने हारी है। बाकी 300 से ज्यादा सीटों पर विपक्षी दलों की क्या रणनीति है, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है।

दरअसल, इस वक्त चुनावी एकता से ज्यादा राजनीतिक एकता जरूरी है। साल 2024 के आम चुनाव से पहले अगले साल 2022 में सात राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में फरवरी-मार्च में और फिर अक्तूबर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने हैं। इसके बाद साल 2023 में नौ राज्यों - त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय में फरवरी में, कर्नाटक में मई में और राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में दिसंबर में चुनाव होंगे। यानी 16 मौके हैं, भाजपा से मुकाबला कर उसे कमजोर करने और विपक्षी एकता दिखाने के। आपको जनता को भरोसा दिलाना है कि आप न केवल इस सरकार को हटा सकते हैं, बल्कि एक नई सुबह की शुरुआत भी कर सकते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

मुगालते में बाइडन प्रशासन, अफगानिस्तान पर फैसले से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय साख को पहुंचाया नुकसान

जबकि इसी हक्कानी नेटवर्क का मुखिया सिराजुद्दीन हक्कानी तालिबान के शीर्ष नेताओं में शुमार है और उसे नई अंतरिम सरकार में गृह मंत्रलय का जिम्मा मिला है। यही हक्कानी नेटवर्क मानव बम बनाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा आतंकी दस्ता है। इसके बावजूद बाइडन प्रशासन ने काबुल से अपने और सहयोगी देशों के नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए इसी हक्कानी नेटवर्क पर भरोसा किया और अफगान में शेष रह गए लोगों को इन विक्षिप्त धार्मिक उन्मादी तानाशाहों के रहमोकरम पर छोड़ दिया। बाइडन भले ही अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध की समाप्ति का श्रेय लेना चाहते हों, मगर उन्होंने अफगानिस्तान को बड़े खतरे की आग में झोंक दिया है।

अफगानिस्तान में अपनी अनर्थकारी वापसी को लेकर गलती मानने के बजाय अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा उसे वाजिब ठहराने की कोशिश यही दर्शाती है कि यह उनके प्रशासन का ऐसा इकलौता फैसला नहीं होने जा रहा। बाइडन इसे अपने नेतृत्व में अमेरिका के रणनीतिक उद्देश्यों के आधारभूत पुर्नसयोजन का प्रतीक बता रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने इराक से भी इस साल वापसी की बात कही है। उनकी इन बातों से यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं से कदम पीछे खींच रहा है? अफगानिस्तान में बाइडन ने जो अनर्थ किया है और जिस दिशा में अमेरिकी विदेश नीति जाती दिख रही है उसे देखते हुए अमेरिका विरोधियों का हौसला बढ़ना तय है। वहीं अमेरिका के संगी-साथियों को नए सिरे से आकलन करना होगा, क्योंकि अमेरिकी रुख अब संदिग्ध लगने लगा है। अब यूक्रेन चिंतित है कि जैसे बाइडन ने अफगान सरकार को दगा दिया, वैसे ही वह उन्हें भी अधर में छोड़ देंगे। चिंता ताइवान को भी सता रही है कि बाइडन की ऐतिहासिक भूल के बाद चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग उसके खिलाफ कोई जंग छेड़ सकते हैं। ताइवानी राष्ट्रपति साई इंग वेन के बयान में यह ध्वनित भी होता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम दूसरों के भरोसे नहीं बैठ सकते।

अमेरिका को लेकर ऐसी आशंकाएं निराधार नहीं हैं। बाइडन ने अफगानिस्तान को जिस तरह आतंकियों को तश्तरी में परोस कर दे दिया, वह अंतरराष्ट्रीय जिहादी मुहिम के लिए एक बड़ी जीत है। यह भी एक दुर्योग है कि बाइडन के सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों के भीतर आतंकियों ने अफगानिस्तान पर कब्जा जमा लिया। ऐसे में निश्चित है कि यह बाइडन की आखिरी भूल

नहीं साबित होगी। राष्ट्रपति बनने से पहले बाइडन कई अहम पदों पर रहे हैं। उस दौरान उनके सहयोगी रहे तमाम लोग उनकी नीतियों और फैसलों को लेकर सवाल उठा चुके हैं। वे अब सही साबित हो रहे हैं।

केवल अमेरिकी ही नहीं, बल्कि उनके दुश्मनों का भी बाइडन को लेकर नजरिया सही साबित होता दिख रहा है। दुनिया के दुर्दांत आतंकी ओसामा बिन लादेन को जब अमेरिका ने पाकिस्तान में घुसकर मौत के घाट उतारा था तो लादेन के परिसर से एक चिट्ठी मिली थी। उसमें अलकायदा के लिए यह संदेश था कि वह तत्कालीन उप-राष्ट्रपति बाइडन को निशाना न बनाए, क्योंकि उनके एक दिन राष्ट्रपति बनने की संभावना है और चूंकि वह काबिल नहीं तो निश्चित ही अमेरिका को किसी संकट में झोंक देंगे। यानी लादेन का आकलन भी सभी जिहादियों के लिए खुशी की सौगात वाला साबित हुआ। इस बीच अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे को लेकर बाइडन ने 'अच्छे' और 'बुरे' आतंकियों वाला शिगूफा छेड़ा है। जैसे उन्होंने आइएस-खुरासान को तालिबान का दुश्मन बताया, जबकि इस तथ्य को अनदेखा कर दिया कि चाहे अलकायदा हो या आइएस-खुरासान, सभी अमेरिका और स्वतंत्र एवं उदार विश्व के दुश्मन हैं। भले ही तालिबान, अलकायदा और आइएस-खुरासान की पहचान अलग-अलग हो, लेकिन उनकी एक साझा विचारधारा है, जो हिंसक जिहाद से जुड़ी है। उनके सदस्यों में आपसी मेलजोल रहा है। वे एक आतंकी धड़े से दूसरे में भी शामिल होते रहते हैं। यहां तक कि उनके सदस्य एक दूसरे के परिवार में वैवाहिक रिश्ते भी बनाते हैं। हक्कानी नेटवर्क भी ऐसा ही एक आतंकी धड़ा है। इसे तालिबान की स्पेशल फोर्स के साथ ही पाकिस्तानी सरकारी आतंकी मशीनरी का अहम हिस्सा भी माना जाता है। यह उसी व्यापक धारणा को पुष्ट करता है कि अफगानिस्तान में आतंक की असली कड़ी पाकिस्तान से जुड़ी है। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने आइएस-खुरासान में आतंकियों की भर्ती के लिए हक्कानी का ही इस्तेमाल किया, ताकि आतंकी गतिविधियां भी चलती रहें और उसके दामन पर उनका दाग भी न लगे।

जहां तक अलकायदा का सवाल है तो काबुल पर कब्जे के बाद से तालिबान के प्रवक्ता ने उसके खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। उलटे उसने यहां तक कहा कि अमेरिका में 9-11 हमले में लादेन की संलिप्तता के कोई सुबूत नहीं। जो लोग तालिबान और अलकायदा को जुदा समझते हैं, उनके लिए यह एक दृष्टांत है। अक्टूबर 2015 में जनरल जान एफ कैंपबेल के नेतृत्व में अमेरिकी सेनाओं ने दक्षिणपूर्वी अफगानिस्तान में अलकायदा के सबसे बड़े आतंकी ठिकाने का पता लगाया था जो करीब 30 वर्ग मील के दायरे में फैला हुआ था। मालूम पड़ा कि वहां अलकायदा और तालिबान के रंगरूट एक साथ प्रशिक्षण लेने के अलावा उसका साथ में संचालन कर रहे थे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक हालिया रपट के अनुसार तालिबान और अलकायदा में अभी भी नजदीकियां बनी हुई हैं। ऐसी स्थिति में तालिबान को प्रोत्साहित करने के बजाय उस पर शिकंजा कसना चाहिए था। इसके उलट बाइडन प्रशासन ने न केवल उसके लिए करोड़ों डालर के अत्याधुनिक हथियार छोड़ दिए, बल्कि इस आतंकी समूह के साथ साझेदारी का भी एलान किया। याद रहे कि इसी क्रूर आतंकी संगठन के हाथ 2,000 से अधिक अमेरिकी सैनिकों के खून से रंगे हुए हैं।

बाइडन प्रशासन कई मुगालते पाले हुए है। वह मानता है कि तालिबान और अमेरिका, दोनों आइएस-खुरासान के शत्रु हैं। जबकि तालिबान ने ही खुरासान के कई आतंकियों को अमेरिकी कैद से छुड़वाया। ऐसे में वे कैसे दुश्मन हो सकते हैं? इसी तरह वह तालिबान और हक्कानी नेटवर्क को अलग संगठन मानता है। जबकि इसी हक्कानी नेटवर्क का मुखिया सिराजुद्दीन हक्कानी तालिबान के शीर्ष नेताओं में शुमार है और उसे नई अंतरिम सरकार में गृह मंत्रलय का जिम्मा मिला है। यही हक्कानी नेटवर्क मानव बम बनाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा आतंकी दस्ता है। इसके बावजूद बाइडन प्रशासन ने काबुल से अपने और सहयोगी देशों के नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए इसी हक्कानी नेटवर्क पर भरोसा किया और अफगान में शेष रह गए लोगों को इन विक्षिप्त धार्मिक उन्मादी तानाशाहों के रहमोकरम पर छोड़ दिया। बाइडन भले ही अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध की समाप्ति का श्रेय लेना चाहते हों, मगर उन्होंने अफगानिस्तान को बड़े खतरे की आग में झोंक दिया है। बाइडन ने अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय साख को जो नुकसान पहुंचाया है, उसका सिलसिला लंबा खिंच सकता है।

आम अफगानियों पर जुल्म ढाते तालिबान से संघ की तुलना किसी अपराध से कम नहीं

भावना प्रधान समाज में तर्कशक्ति क्षीण होती है। भारत भी एक भावना प्रधान देश है। लिहाजा यहां आम जीवन की बात हो, बौद्धिक धरातल पर चर्चा हो या सत्ता के लिए चुनाव करना हो, कुछ देर बाद तर्क की जगह भावनाएं ले लेती हैं। इसका बिगड़ा रूप होता है कुतर्क, जिसमें भावना की प्रधानता तर्क के हर पैमाने को दरकिनार करती हुई अपने को सही साबित करने की कोशिश करती है। हम मानें या न मानें, पाकिस्तानी सेना की खुलेआम मदद से तालिबान के अफगानिस्तान पर दोबारा काबिज होने के बाद दुनिया के छोटे-बड़े देशों का कूटनीति की भाषा में 'देखो और प्रतीक्षा करो' का भाव सभ्यता से जीने की शर्तों के मुंह पर तमाचा है। कैसे कोई सभ्य समाज इंतजार करेगा, जबकि तालिबान स्कूल-कालेजों में पढ़ने वाली या बाहर निकलने वाली महिलाओं पर गोलियां चला रहा हो।

मलाला यूसुफजई को भी तो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा पाकिस्तान के स्वात इलाके में इसी पढ़ाई की सजा दी गई थी। आज नौ साल बाद भी फिर उसके पड़ोसी देश में औरतें वहीं खड़ी हैं तो फिर मलाला को नोबेल पुरस्कार देने का मकसद क्या था? जब यह पुरस्कार देते हैं तो इसका मतलब होता है कि दुनिया ने स्त्री शिक्षा की अपरिहार्यता का सम्मान किया है और एक अलिखित वादा किया है कि जब भी जरूरत होगी तो पूरी दुनिया शिक्षा के मुद्दे पर इन महिलाओं के साथ और तालिबानी सोच के खिलाफ खड़ी होगी। ऐसे में वे लोग, जिनकी देश में लोकप्रियता उनके फन और उनकी बौद्धिक क्षमता के कारण हो, जब तर्क का साथ छोड़कर एक खास ढंग की जहालत का प्रदर्शन करते हैं तो तकलीफ होती है। तब लगता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह बेजा इस्तेमाल है। क्या तालिबानी शासन में भी यही सबकुछ बोलकर लोग चैन से रह सकते हैं?

जावेद अख्तर जैसे अदबी या फिल्मी दुनिया के कोई मकबूल शायर हों या कोई चुका हुआ सियासतदां या फिर ऐसी सोच वाले कुछ अन्य लोग जब तालिबान की तुलना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से करते हैं तो लगता है कि उनकी बुद्धि पर घृणा हावी हो गई है। शायद यह उनका स्थायी भाव है, जो बौद्धिकता की आड़ में ढका-मुंदा रहा, लेकिन जो गाहे-बगाहे उभर ही आता है। आखिर कौन से मानक पर इन्हें संघ तालिबान के समतुल्य लगता है? क्या संघ के गणवेश का दंड इन्हें एके-47 लगता है? क्या तालिबान जैसी आतंकी हिंसा की नीति की वकालत संघ भी करता दिखता है? क्या संघ सरस्वती शिशु मंदिर सरीखे अपने शिक्षण संस्थानों में तालिबानी मदरसों की तरह अबोध बच्चों को आत्मघाती हमलावर बनाता है? क्या संघ अन्य मुल्कों में आतंकी भेजता है? क्या वह अन्य मुल्कों की सेना, आम नागरिकों और लक्षित धार्मिक दुश्मनों के खिलाफ छद्म युद्ध करता है? क्या संघ ने भी धर्म की अपनी अलग व्याख्या कर महिलाओं की पढ़ाई पर पाबंदी लगाई है और उसके उल्लंघन पर किसी मलाला यूसुफजई पर गोली चलवाता है? क्या संघ ने भी बगदादी की तरह कहा है कि दुनिया में जब तक एक धर्म विशेष का शासन नहीं होगा, तब तक जंग जारी रहेगी?

तर्कशास्त्र में संदर्भ का बड़ा महत्व होता है। हम आम खाने के फायदे-नुकसान की बहस में यह तर्क नहीं दे सकते कि अमुक का कुत्ता अमुक के घर के बाहर भौंका, लिहाजा आम खाना सही या गलत है। मुद्दा था अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत का, जो प्रजातांत्रिक तरीके से नहीं, बल्कि बंदूक की नोक पर बनाई गई। अगर कोई अपने को सभ्य कहने वाला व्यक्ति, संस्था या संगठन महिलाओं की शिक्षा पर पाबंदी लगता है, उन्हें पुरुषों जैसा हक नहीं देता, उन्हें गुलाम जैसा जीवन जीने पर मजबूर करता है, इलाका जीतने पर महिलाओं को लड़ाई का पुरस्कार समझ भोगने की वस्तु समझता है और लोगों को अपने अनुरूप जीने को मजबूर करता है तो कह सकते हैं कि उसने धर्म को सही नहीं समझा।

दुनिया के पास अफगानिस्तान में 20 साल पहले के तालिबानी शासन का इतिहास है। अब जब वह बंदूक के बूते धर्म की अपनी परिभाषा के अनुरूप समाज को उसकी मर्जी के बगैर चलाएगा तो वह दुनिया को स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। किसी भी व्यक्ति की किसी संस्था या दूसरे व्यक्ति की नीति या कृतित्व के प्रति दुराग्रह की मात्र कितनी हो, यह उस व्यक्ति या संस्था की पूर्व एवं वर्तमान स्थिति देखकर तय होती है। अगर उसकी तुलना किसी अन्य व्यक्ति या संस्था से करनी हो तो संवाद का संदर्भ देखना होगा। ऐसा कुतर्क जब जावेद अख्तर जैसे लोग अपने डरावने पूर्वाग्रह के तहत करते हैं तो क्षोभ होता है। संघ की आलोचना एक खास किस्म के राष्ट्रवाद के लिए की जा सकती है, लेकिन यह भी सच है कि उसकी विचारधारा मानवतावाद की मूल अवधारणा से कहीं भी द्वंद्व नहीं करती। नाथूराम के कुकृत्य हों या किसी अखलाक अथवा पहलू खान को मारे जाने का मामला, संघ भी हिंदुत्व के ऐसे आक्रामक स्वरूप की निंदा करता है। इसे संघ के नेतृत्व ने विचारधारा का अवांछित भ्रष्ट पक्ष माना है। इससे अलग आपदस्थिति में जीवनोत्सर्ग करने की हद तक मानव सेवा का संघ का भाव कोरोना काल में सबने देखा है। देशव्यापी शिक्षा का नेटवर्क, वनवासी सेवाश्रम, स्वास्थ्य सेवा के हजारों प्रकल्प भी लोगों ने देखे हैं। उनके प्रांगण हथियार और गोला बारूद रखने या गरीब बच्चों को फिदायीन बनाने के लिए नहीं होते। अफसोस है कि इस मूर्खता का प्रदर्शन करने वाले बढ़ रहे हैं।

नीट का विरोध, तमिलनाडु विधानसभा का प्रस्ताव

तमिलनाडु विधानसभा ने लगभग सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मेडिकल, डेंटल आदि के लिए होने वाली अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा नीट (नेशनल एंट्रेंस-कम-एलिजिबिलिटी टेस्ट) से बाहर होने की मंशा जताई है। राज्य सरकार चाहती है कि प्रदेश में 12वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों को ही मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एडमिशन का आधार बनाया जाए। न केवल सत्तारूढ़ डीएमके और विपक्षी दल एआईएडीएमके बल्कि पीएमके और कांग्रेस समेत तमाम पार्टियों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। एकमात्र अपवाद बीजेपी रही, जो सदन से वॉकआउट कर गई। सदन में दिखी यह भावना अकारण नहीं है। तमिलनाडु में नीट का विरोध पहले से होता रहा है। डीएमके ने हालिया विधानसभा चुनावों के दौरान कहा था कि अगर उसकी सरकार बनी तो राज्य में नीट समाप्त कर दिया जाएगा।

सरकार बनने के एक महीने के अंदर राज्य में नीट के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए अवकाश प्राप्त न्यायाधीश एके राजन की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर दी गई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अगर कुछ साल और नीट की व्यवस्था लागू रही तो राज्य का स्वास्थ्य ढांचा चरमरा जाएगा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी अस्पतालों में तैनात करने के लिए डॉक्टर कम पड़ने लगेंगे।

राज्य की डीएमके सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पेश करने के फैसले का आधार इसी रिपोर्ट को बनाया है। लेकिन ध्यान रहे, एआईएडीएमके जब शासन में थी तो उसने भी विधानसभा में ऐसा ही प्रस्ताव पारित करवाया था। राष्ट्रपति की मंजूरी न मिलने की वजह से उस प्रस्ताव पर अमल नहीं हो पाया। इस बार भी प्रस्ताव के अमल में आने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी की जरूरत पड़ेगी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर तमिलनाडु में नीट का इतना विरोध क्यों है। राज्य सरकार का कहना है कि नीट की पद्धति में अलग-अलग पृष्ठभूमि के छात्रों के साथ न्याय नहीं हो पाता है। 12वीं में मिले अंकों के आधार पर एडमिशन देने के पक्ष में उसकी दलील है कि मेडिकल एडुकेशन का स्तर ऊंचा बने रहना एडमिशन प्रक्रिया पर निर्भर नहीं करता। बहरहाल, नीट को लेकर शिकायतें तमिलनाडु तक सीमित नहीं हैं। अन्य राज्यों से भी शिकायतें आती रही हैं। यह कहा जाता रहा है कि नीट लागू होने के बाद से देश भर में कोचिंग क्लासेज की जकड़न मजबूत हुई है। बगैर कोचिंग के मेडिकल एंट्रेंस क्लीयर करना मुश्किल हो गया है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर तबकों और ग्रामीण पृष्ठभूमि के युवा वंचित महसूस कर रहे हैं।

यही हाल गैर-हिंदी भाषी युवाओं का है। ये शिकायतें वाजिब हो सकती हैं। लेकिन इसका हल यह नहीं हो सकता कि राज्य सरकारें इससे निकलने का फैसला करने लग जाएं। जरूरत इस बात की है कि सब मिलकर इस व्यवस्था की गड़बड़ियों को चिह्नित करें और उन्हें दूर करने की कोशिश करें ताकि देश भर के प्रतिभाशाली युवा खुद को साबित करने का मौका पाएं और उसका बेहतरीन इस्तेमाल कर सकें।

बेबस आम आदमी की अनदेखी, आम लोगों की मुश्किलें बढ़ाने वाला किसान आंदोलन

किसान संगठनों के धरनों से परेशान हो रहे लोगों के सामने बेबस होकर रह जाने के अलावा और कोई उपाय नहीं, क्योंकि कोई भी उनकी नहीं सुन रहा- न पुलिस, न सरकारें और न ही अदालतें। पुलिस और सरकारों की मजबूरी समझ आती है, लेकिन आखिर अदालतों को किसका भय है? क्या वे भी किसान संगठनों की मनमानी के आगे असहाय हैं? पता नहीं सच क्या है, लेकिन जब आम आदमी इस तरह परेशान होता है तो वह केवल कुढ़ता ही नहीं है, बल्कि व्यवस्था के विभिन्न अंगों पर उसका भरोसा भी कम होता है और जब ऐसा होता है तो लोकतंत्र कमजोर होता है।

बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने अपने समक्ष दायर उस याचिका को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ले जाने का आदेश दिया, जिसमें किसान संगठनों द्वारा बाधित सिंघु बार्डर को खोले जाने की मांग की गई थी। सिंघु बार्डर सोनीपत के निकट हरियाणा को दिल्ली से जोड़ता है। किसान संगठनों के धरने के कारण यह बीते नौ माह से वैसे ही बाधित है, जैसे उत्तर प्रदेश को दिल्ली से जोड़ने वाला गाजीपुर बार्डर और बहादुरगढ़ के समीप हरियाणा को दिल्ली से जोड़ने वाला टीकरी बार्डर। ये रास्ते सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बावजूद बाधित हैं कि धरने-प्रदर्शन के लिए सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश कुख्यात शाहीन बाग धरने के मामले में दिया था। इसके बाद भी वह किसान संगठनों के आंदोलन के सिलसिले में ऐसी ही टिप्पणी कर चुका है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है, क्योंकि सरकार तथाकथित किसान संगठनों के और उग्र हो जाने के भय से रास्ते खाली कराने से हिचक रही है और सुप्रीम कोर्ट किन्हीं अज्ञात कारणों से दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के प्रशासन को यह स्पष्ट आदेश देने से बच रहा है कि बाधित रास्ते खाली कराए जाएं। यह तब है, जब सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना यह कह चुके हैं कि लोग जानते हैं कि जब चीजें गलत होती हैं तो न्यायपालिका उनके साथ खड़ी होगी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को लोकतंत्र का सबसे बड़ा संरक्षक भी बताया था, लेकिन दिल्ली के सीमांत रास्तों पर जो कुछ हो रहा है, उसे देखते हुए यही कहना होगा कि उनके इस बयान का कहीं कोई मूल्य-महत्व नहीं। यह हर लिहाज से एक निरर्थक वक्तव्य साबित हुआ।

बाधित रास्तों के कारण दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों के अधिकारों को प्रतिदिन कुचला जा रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट आंखें बंद किए हुए है। आखिर लोग कैसे यह मान लें कि जब चीजें गलत होती हैं तो सुप्रीम कोर्ट उनके पक्ष में खड़ा होता है या फिर उनके अधिकारों की चिंता करता है? यह तो अन्याय और अनदेखी की मिसाल ही है कि नौ माह से लोग परेशान हो रहे हैं, लेकिन किसी के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। इस अन्याय के लिए जितने जिम्मेदार सरकार और सुप्रीम कोर्ट हैं, उतने ही कथित किसान संगठन भी। वे इससे अच्छी तरह परिचित हैं कि उनके धरनों के कारण हर दिन लाखों लोग परेशान होते हैं और उनके संसाधन एवं समय की बर्बादी होती है, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें लोगों को तंग करने में आनंद की अनुभूति हो रही है।

किसान संगठनों की धरनेबाजी केवल लोगों को परेशान ही नहीं कर रही, बल्कि उनके पेट पर लात मारने का भी काम कर रही है। बाधित रास्ते के कारण बहादुरगढ़ की औद्योगिक इकाइयां संकट में हैं और पंजाब में कम से कम तीन औद्योगिक प्रतिष्ठान किसान संगठनों की धरनेबाजी के कारण बंद हो चुके हैं। इसके चलते एक हजार से अधिक लोगों की नौकरियां जा चुकी हैं। इसके बाद भी किसान संगठनों का दावा है कि वे किसानों के साथ नौजवानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। वास्तव में तो वे नौजवानों के हितों से खिलवाड़ ही कर रहे हैं। वे छोटे किसानों के हितों की भी चिंता नहीं कर रहे। इसीलिए उनके आंदोलन में उनकी भागीदारी नहीं। कृषि कानून विरोधी आंदोलन वस्तुतः बड़े किसानों और आढ़तियों का आंदोलन है। और भी गौर से देखें तो यह पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के समर्थ किसानों का आंदोलन है। इस आंदोलन की प्रकृति ठीक वैसी ही है जैसी शाहीन बाग आंदोलन की थी। वह जिद और सनक पर सवार है। हर गुजरते दिन के साथ यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि इस आंदोलन का मूल मकसद विभिन्न किसान नेताओं की ओर से अपने राजनीतिक हित साधना है। इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए कि किसानों की आड़ में नेतागीरी कर रहे नेता पंजाब और उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में दखल देने की तैयारी कर रहे हैं। इसमें कोई हर्ज नहीं, लेकिन इसके लिए किसानों को मोहरा नहीं बनाया जाना चाहिए। कृषि कानून विरोधी आंदोलन में किसान उसी तरह मोहरा बनाए जा रहे, जैसे इंडिया अगेंस्ट करप्शन के बैनर तले आम लोग बनाए गए थे। जैसे इस संगठन का उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल बजाकर और अन्ना हजारे का इस्तेमाल कर राजनीति में कूदना था, वैसे ही किसान संगठनों का मकसद किसानों को मोहरा बनाकर अपने लिए राजनीति का मैदान तैयार करना है। इसी कारण किसानों का ठगा जाना तय है। किसान संगठनों का यह कहना फिजूल है कि वे संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। वे दरअसल आम लोगों के संवैधानिक अधिकारों को कुचल ही नहीं रहे, बल्कि उनकी बेबसी पर अट्टहास भी कर रहे हैं। मुजफ्फरनगर की किसान महापंचायत में यह अट्टहास राकेश टिकैत की ओर से यह कहकर किया गया कि हम संकल्प लेते हैं कि दिल्ली की सीमाओं पर धरना देना नहीं छोड़ेंगे, भले ही वहां हमारी कब्र क्यों न बन जाए? यह एलान सरकार और सुप्रीम कोर्ट को सीधी चुनौती ही नहीं, इन धरनों से आजिज आए लोगों को यह सख्त संदेश है कि कुछ भी हो जाए, हम तुम्हें इसी तरह परेशान करते रहेंगे।

किसान संगठनों के धरनों से परेशान हो रहे लोगों के सामने बेबस होकर रह जाने के अलावा और कोई उपाय नहीं, क्योंकि कोई भी उनकी नहीं सुन रहा- न पुलिस, न सरकारें और न ही अदालतें। पुलिस और सरकारों की मजबूरी समझ आती है, लेकिन आखिर अदालतों को किसका भय है? क्या वे भी किसान संगठनों की मनमानी के आगे असहाय हैं? पता नहीं सच क्या है, लेकिन जब आम आदमी इस तरह परेशान होता है तो वह केवल कुढ़ता ही नहीं है, बल्कि व्यवस्था के विभिन्न अंगों पर उसका भरोसा भी कम होता है और जब ऐसा होता है तो लोकतंत्र कमजोर होता है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

योगी आदित्यनाथ सरकार की शादी समारोह में अब सशर्त सौ लोगों के शामिल होने की छूट

लखनऊ । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के बाद उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अब सभी जगह पर स्थिति सामान्य करने के प्रयास में लगी है। दूसरी लहर पर नियंत्रण के बाद धीरे-धीरे पाबंदी कम करने के क्रम में अब सरकार ने वैवाहिक समारोह में सौ लोगों के शामिल होने की सशर्त अनुमति प्रदान कर दी है।

कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने शादी समारोह व अन्य आयोजनों में बंद या खुले स्थानों पर एक समय में अधिकतम 50 व्यक्तियों के स्थान पर अब 100 लोगों के उपस्थित रहने की छूट दे दी है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने इस बारे में रविवार को शासनादेश जारी कर दिया है।शासनादेश के मुताबिक विवाह समारोह व अन्य आयोजनों में बंद या खुले स्थानों पर अब एक समय में अधिकतम 100 व्यक्तियों को कोविड प्रोटोकाल के अनुसार मौजूद रहने की अनुमति होगी। आयोजन या समारोह स्थलों पर आमंत्रित व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था में दो गज की दूरी के प्रोटोकाल का पूरी तरह पालन करना होगा। आयोजन/समारोह स्थलों पर शौचालयों में साफ सफाई व सैनिटाइजेशन की समुचित व्यवस्था रखी जाएगी।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने रविवार को प्रदेश वासियों को राहत दी है। अब कंटेनमेंट जोन के बाहर शादी व अन्य कार्यक्रमों के आयोजन में 100 लोग शामिल हो सकेंगे। योगी आदित्यनाथ सरकार ने नया आदेश जारी करते हुए 50 लोगों की बाध्यता आखिरकार समाप्त कर दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के छूट देने के निर्देश के बाद रविवार को गृह विभाग ने इसका आदेश भी जारी कर दिया है। सरकार के नए आदेश के क्रम में अब शादी तथा अन्य मांगलिक कार्य के समारोह के लिए अधिकतम व्यक्तियों की संख्या सौ कर दी गई है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने शादी समारोह के लिए रविवार को सोमवार को नई गाइडलाइंस जारी की है। अब प्रदेश में शादी-विवाह व धर्म-कर्म समेत सभी सामूहिक समारोहों में अधिकतम सौ लोग शामिल हो सकेंगे। कोरोना के संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण और रोकथाम के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। बारात निकालने, बैंड और डीजे आदि पर कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। किसी भी बंद स्थान जैसे हॉल या कमरे की निर्धारित क्षमता के 50 प्रतिशत किन्तु एक समय में अधिकतम 100 व्यक्ति ही मौजूद रह सकेंगे। कार्यक्रमों में फेस मॉस्क, सोशल डिस्टेंसिंग, थर्मल स्कैनिंग, सैनिटाइजर एवं हैंडवॉश की व्यवस्था अनिवार्य होगी। इसके साथ-साथ खुले स्थान जैसे मैदान आदि पर कुल क्षेत्रफल के 40 प्रतिशत से कम क्षमता तक ही लोगों के एकत्र होने की अनुमति होगी।

समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खां और परिवार के लोगों से पूछताछ करने सीतापुर जेल पहुंची ईडी टीम

लखनऊ । रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी के संस्थापक तथा रामपुर से ही समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खां की यूनिवर्सिटी में विदेशों से फंडिंग तथा जमीन पर कब्जे के मामलों की जांच करने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम सीतापुर जिला जेल में पहुंची है। जेल में आजम खां के साथ उनके पूर्व विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम खां बंद हैं। ईडी की दो सदस्यीय टीम सीतापुर जेल में पहुंची है। ईडी को कोर्ट से आजम खां से पूछताछ की इजाजत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने सीतापुर जेल में प्रवेश करने से पहले ही रामपुर से विधायक आजम खां की पत्नी डॉ. तंजीम फात्मा को भी रामपुर से बुलवा लिया। उनको भी बीती मई में जमानत मिली है। यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए विदेशों से मिले धन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पड़ताल कर रही है। सोमवार को ईडी की टीम रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खां और उनके पूर्व विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम खां से पूछताछ करने सीतापुर जेल पहुंची है। आजम खां और उनके बेटे के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग तथा जमीन पर कब्जा करने के केस दर्ज हैं। प्रवर्तन निदेशालय की टीम के आगमन पर आजम खां की विधायक पत्नी डॉ. तंजीम फातिमा भी जेल में मौजूद हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के केस में ईडी की टीम को 20 से 24 सितंबर के बीच में कभी भी पूछताछ का समय मिला था। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक आजम खां उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के साथ ही अखिलेश यादव की सरकार में भी कैबिनेट मंत्री रहे हैं। उनकी पत्नी पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. तंजीम फातमा अब रामपुर से विधायक हैं। उनके पुत्र अब्दुल्ला खां भी विधायक थे, लेकिन पासपोर्ट तथा बर्थ सर्टिफिकेट में फर्जीवाड़ा के मामले में उनकी विधायकी चली गई और वह भी पिता आजम खां के साथ ही सीतापुर जेल में बंद हैं। आजम खां की पत्नी पर भी सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर केस चला था। वह भी सीतापुर जेल में बंद थी, लेकिन अब जमानत मिलने के बाद से बाहर हैं। रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी में विदेश से धन मिलने के आजम खां के बयान के बाद इसकी पड़ताल जारी है। ईडी की टीम आजम खां से जौहर यूनिवर्सिटी की कई एकड़ की जमीन के डील के बारे में भी पूछताछ करेगी।

संक्षिप्त खबर

नौगांवः चौराहे पर चली गोली पिता पुत्र घायल, तीन पकड़े

छतरपुर। शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे नौगांव के खुशबू बीड़ी चौराहे पर सांची दूध डेयरी के संचालक पूर्व विधायक प्रतिनिधि निजाम खान और उनके बेटे जावेद खान पर गोलीबारी की गई।एक पल्सर पर सवार तीन हमलावरों ने गाड़ी रोककर अवैध कट्टे से फायर किया और फरार हो गए। इस गोलीबारी से घायल दोनों पिता-पुत्र जिला अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि गोली के छर्रे ही उन्हें लगे हैं जिससे जान का खतरा नहीं है। टीआई अभिषेक चौबे ने बताया कि गोली चलने की खबर के तुरंत बाद नौगांव की सीमाओं पर नाकेबंदी कर दी गई थी। मामले में धारा 307 का मुकदमा कायम किया है। मामले में तीन आरोपी पुलिस की हिरासत में आ चुके हैं। टीआई चौबे की सक्रियता से रात को ही स्थिति को तनावपूर्ण होने से बचा लिया। पुलिस जल्द मामले का खुलासा करेगी।

सीहोरः प्रेमियों के संग मिलकर पत्नी ने कराई थी पति की हत्या

सीहोर। थाना श्यामपुर अंतर्गत ग्राम जाजनखेड़ी में 13-14 सितंबर की दरम्यानी रात को अज्ञात आरोपी ने मलखान गौर 25 साल जाजनखेड़ी की गर्दन एवं पीठ पर कुल्हाड़ी मारकर हत्या हो गई थी। सूचना पर एसपी सीहोर मयंक अवस्थी ने घटना का निरीक्षण कर टीआई आरएस यादव को दिशा निर्देश देकर 5 सदस्यीय टीम गठित कराई। घटना के बाद मृतक की पत्नी ने मोबाइल सिम तोड़कर नदी में फेंक दी जिसे पुलिस ने गोताखोरों से निकलवाया। जिसके आधार पर मृतक की पत्नी एवं एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। एक फरार आरोपी की तलाश जारी हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक की पत्नी मायके ललोई थाना बैरसिया भोपाल के पूर्व दो प्रेमियों को बुलाकर पति को घर से बाहर भेजकर हत्या कराई हैं। जिसमे से एक प्रेमी ने मोबाइल अपने नाम से मृतक की पत्नी को दी थी। जिससे आरोपी पकड़े गए।

इंदौरः पापा ने मम्मी को डंडे से पीटा व गला दबाकर मार डाला

इंदौर। महिला की संदिग्ध मौत के बाद उसके मासूम बेटे ने ये कहकर सनसनी फैला दी है कि पापा ने ही रात को मम्मी को डंडे से पीटा और उसके बाद मां का गला दबा दिया। पापा गुस्से में कह रहे थे कि तूने इतना गंदा खाना क्यों बनाया है। मम्मी को पीटने के बाद पापा उन्हें डाक्टर के पास भी नहीं ले गए। गांधी नगर पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक फ्रेंड्स कालोनी बांगड़दा की सोनू उर्फयशोदा पति विनोद पाटीदार की लाश उसके ही घर में मिली है। सूचना पर पुलिस वहां पहुंची थी। शव का पीएम करवाया है। मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। यशोदा के एक रिश्तेदार ने बताया कि उसका मृतक का तीन वर्षीय बेटा प्रद्युम्न ने बताया है कि रात को अच्छा खाना नहीं बनने पर पापा ने मम्मी को पाइप और डंडों से पीटा और इसके बाद गला दबा दिया था।

कटनीः स्टेशन पर युवक-युवती से मिले 15 लाख 15 हजार रुपए

कटनी। जीआरपी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक व युवती से बड़ी मात्रा में रुपए जब्त किए हैं। दोनों से 15 लाख 15 हजार रुपए जब्त किए हैं। मामला हवाला से जुड़ा लग रहा है। हालांकि अभी तक दोनों कोई भी वास्तवित दस्तावेज नहीं दिखा सके हैं। जीआरपी पूछताछ कर रही है। जीआरपी ने 20 वर्षीय आरती पटेल,सुकरी मंगेला हाल गढ़ा जबलपुर को कटनी स्टेशन के मुसाफिर खाना से पकड़ा। युवती से 7 लाख 40 हजार रुपए जब्त किए गए। युवती से जब पूछा कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई है तो युवती का कहना था कि वह मनिहारी का सामान खरीदने आई थी।जीआरपी ने 23 वर्षीय अक्षय पुरी, व्यावर पालीबाजार अजमेर राजस्थान की तलाशी पर 7 लाख 75 हजार रुपए जब्त किए हैं। युवक ने बताया कि वह इलेक्ट्रॉनिक का सामान खरीदने आया हुआ था।

इंदौरः रोटी देने के बहाने कुत्ते को पहली मंजिल से फेंक दिया

इंदौर। बेजुबान जानवरों के साथ हैवानियत के 2 मामले सामने आए हैं पहला कनाडिया इलाके का है जहां कुत्ते को पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। वहीं दूसरी जगह कार सवार ने कुत्ते के 5 बच्चों को टक्कर मारकर उन्हें मौत की नींद सुला दिया। पशु प्रेमी ने दोनों मामलों में केस दर्ज करवाया है। फरियादी प्रियांशु जैन के अनुसार कनाडिया रोड करुणा सागर अपार्टमेंट ब्लॉक नंबर 9 में रहने वाले मयंक जैन और उसके साथी पवन गौर ने 16 तारीख की रात को एक कुत्ते को पहले मंजिल की लैट से नीचे फेंक दिया है। कुत्ता चल ही नहीं पा रहा है। सिक्योरिटी गार्ड ने घटना देखी थी तो फरियादी को जानकारी दी। इसी तरह लसूड़िया थाने में श्रीकांत सिंह तुलसी नगर कुत्ते के पांच बच्चों को गाडी से कचलकर जान ले ली थी।

रतलाम में बारिश से घरों में घुसा पानी, ट्रैक-सड़कें डूबीं

ढोलावाड बांध के सभी गेट खोले, रेलवे पटरियां पानी में डूबने से कई यात्री गाड़ियां प्रभावित

रतलाम, (एजेंसी)। रतलाम में मूसलाधार बारिश होने से शहर के प्रमुख जलस्त्रोत ढोलावाड बांध के सभी गेट अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए खोल दिए गए हैं। भारी बारिश के चलते रेलवे स्टेशन की पटरियां पानी में डूबने से कई यात्री गाड़ियां भी प्रभावित हुई हैं।

मौसम विभाग के सूत्रों ने बताया कि रतलाम में पिछले 24 घंटे में 3 इंच बारिश हुई है जबकि पूरे जिले में लगभग डेढ़ इंच बारिश हुई है। यहाँ अब तक 36 इंच बारिश दर्ज की गई है जोकि पिछले साल इसी अवधि की बारिश से करीब ढाई इंच कम है।

इस बारिश से शहर के प्रमुख जल स्त्रोत ढोलावड़ जलाशय में पानी की आवक बढ़ने से बांध के सभी गेट खोल दिए गए। इस तेज बारिश के चलते शहर की तमाम सड़कों को पानी में डुबो दिया है। कई दुकानों, शोरूमों और मकानों में पानी घुसने की सूचनाएं भी हैं। न्यूरोड पर स्थित एक शोरुम के तलघर में रखा सारा सामान पानी में तैरता दिखाई दिया। अजंता टाकीज क्षेत्र की पुलिस लाइन के कई मकानों में पानी घुस गया, जिसे निकालने में खासी मशक्कत करना पड़ी है।

मुंबई की ओर जाने वाली सभी गाड़ियों को रोका गया

रेलवे के सूत्रों के अनुसार रतलाम रेलवे स्टेशन पर पटरियों पर पानी आने से यहाँ से गुजरने वाली कई यात्री गाड़ियां प्रभावित हुईं हैं। मुंबई की ओर जाने वाली तीन अप गाड़ियां हरिद्वार-बान्द्रा,भीलवाडा-रतलाम डेमू और नागदा-रतलाम डेमू को रतलाम या उससे पहले रोका गया। इसी तरह मुंबई की ओर से आने वाली डाउन गाड़ियां बान्द्रा-हरिद्वार, त्रिवेन्द्रम-निजामुद्दीन, महू-रतलाम डेमू,और बान्द्रा-कोटा गाडियां इस भारी वर्षा के कारण निर्धारित समय से देरी से चल रही है। इन सभी गाड़ियों को रतलाम या उससे पहले रोका गया है। महू-रतलाम डेमू को फतेहाबाद में जबकि बान्द्रा-कोटा ट्रेन को गोधरा में रोका गया।

अब कक्षा एक से 12वीं तक के बच्चों का ब्योरा होगा आनलाइन, पश्चिम चंपारण में तैयारी शुरू

पश्चिम चंपारण । शिक्षा विभाग ने कक्षा एक से बारहवीं तक के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को मेधासॉफ्ट पोर्टल पर 2021-22 सत्र के लिए नए नामांकित छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन एंट्री करने के आदेश दिए हैं। यदि बच्चों के पुराने रिकार्ड में सुधार करने हों तो पोर्टल पर जाकर ऐसा कर सकते हैं। पोर्टल पर विद्यार्थी का नाम, पिता/अभिभावक का नाम, कक्षा, बैंक खाता तथा आधार संख्या आदि को अपलोड करना अनिवार्य है। इससे विभिन्न लाभुक योजनाओं से बचों को लाभ की सुविधा देने में आसानी होगी। वहीं यदि किसी विद्यार्थी को एक विद्यालय से नाम हटाकर दूसरे विद्यालय में नामांकन कराना है तो इसके लिए भी विद्यालय संबंधित छात्र-छात्राओं को पोर्टल के माध्यम से ही विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र (टीसी) दिया जा सकेगा। जिसके आधार पर संबंधित विद्यार्थी किसी अन्य विद्यालय में नामांकन ले पाएंगे। शिक्षा विभाग के विशेष सचिव मनोज कुमार ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिया।

20 अक्टूबर तक पूरा करना होगा काम- शिक्षा विभाग के विशेष सचिव के मुताबिक 20 सितंबर से 20 अक्टूबर तक सभी जिलों के सरकारी व सहायता प्राप्त विद्यालयों के नामांकित बचों के रिकार्ड को पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में जो बचे जिन कक्षाओं में नामांकित थे और कोरोना महामारी के परिपेक्ष्य में अगली कक्षाओं में प्रोन्नत हो चुके हैं और किसी दूसरे विद्यालय में नामांकन ले लिया है तो उसकी इंट्री भी मेधासॉफ्ट में बैंक खाता, आधार संख्या, आदि के साथ पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। 20 सितंबर से नए नामांकन की एंट्री के अलावा बचों के पुराने रिकॉर्ड में सुधार भी कर सकते हैं। यह कार्य युद्ध स्तर पर पूर्ण कराया जाना है। इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी इस प्रक्रिया की मॉनिटङ्क्षरग करेंगे।

यूपी के राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल प्रयागराज में बोले- बिना सर्किल रेट बढ़ाए राजस्व में हुई डेढ़ गुना बढ़ोतरी

प्रयागराज । मिशन 2022 यानी आगामी विधान सभा चुनाव की गूंज तेज हो गई है। प्रदेश सरकार के साढ़े चार साल पूरे होने पर सभी जनप्रतिनिध व विभागों के मंत्री सरकार के काम गिनाने में जुट गए हैं। सोमवार को स्टांप तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। कहा कि साढ़े चार साल में स्टांप विभाग का राजस्व 1.5 गुना बढ़ गया। 2017 से पहले 11 हजार करोड़ राजस्व मिला। वर्तमान में यह आंकड़ा 16 हजार करोड़ पहुंच चुका है। उम्मीद है मार्च तक 23 हजार करोड़ की आय होगी।

बोले, वर्तमान सरकार ने एक बार भी सर्किल रेट नहीं बढ़ाया- सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता में राज्य मंत्री रवींद्र जायसवाल ने कहा कि खास बात यह कि वर्तमान सरकार ने एक बार भी सर्किल रेट नहीं बढ़ाया, जबकि सपा शासनकाल में हर साल सर्किल रेट में बढ़ोतरी की गई। सर्किल रेट न बढ़ने से भाजपा सरकार का प्रत्येक व्यक्ति को घर देने का वादा पूरा हुआ। अधिक से अधिक लोगों ने घर और जमीन की रजिस्ट्री कराई। कुल छह लाख रजिस्ट्रियां इस बीच हुईं। राजस्व वृद्धि का आंकड़ा बताता है कि प्रदेश में कानून का राज आया है। निवेश बढ़ा है यानी भाजपा ने सुशासन दिया।

राज्य मंत्री ने बताया कि स्टांप विभाग का 100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन हो चुका है। पिछले 20 साल के रिकार्ड भी आनलाइन किए जा रहे हैं। अब लोगों को रजिस्ट्री आफिस के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ रहे। किसी भी प्रापर्टी का रेट कोई भी व्यक्ति सर्किल रेट के अनुसार स्वयं निकाल सकता है। राज्य मंत्री रवींद्र जायसवाल ने बताया कि ई-स्टांप प्रणाली राज्य में लागू हैं। निबंधन शुल्क दो प्रतिशत से घटाकर एक प्रतिशत कर दिया गया है। पारदर्शिता के साथ कैशलेस सिस्टम चल रहा है। कोशिश की गई है कि सभी रजिस्ट्री आफिस भूतल पर चलें जिससे बुजुर्गों को कठिनाई न हो। 2020-21 में करीब पांच हजार लोगों को स्टांप वेंडर बनाकर विभाग ने रोजगार दिया है। उनके वेरीफिकेशन की प्रक्रिया को भी सरल किया गया है। आवेदन के 48 घंटे के भीतर एडीएम फाइनेंश लाइसेंस जारी कर रहे हैं।

स्टांप विभाग ने भूलेख साइट पर सभी जमीनों का विवरण अपलोड किया है। इस पर जनपद, गांव व गाटा संख्या डालते ही पता चल जाएगा कि जमीन कैसी है। इसे लेकर किसी तरह का मुकदमा तो नहीं चल रहा। या बैनामा आदि हुआ है कि नहीं। यह जरूर है कि अभी सिविल मामलों के मुकदमे का विवरण अपलोड नहीं है।

बीएसपी मुखिया मायावती का कांग्रेस पर बड़ा हमला, बोलीं- कांग्रेस को सिर्फ मुश्किल में याद आते हैं दलित

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती का कांग्रेस पर जोरदार हमला जारी है। पंजाब के विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरने की तैयारी में लगीं मायावती ने पंजाब में मुख्यमंत्री बदलने के कांग्रेस के निर्णय को चुनावी हथकंडा बताया है।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मीडिया से वार्ता में कहा कि विधानसभा चुनाव के समय पंजाब में मुख्यमंत्री बदलना कांग्रेस का चुनावी हथकंडा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अभी भी दलितों पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस को तो सिर्फ मुसीबत में ही दलित याद आते हैं। पंजाब में कांग्रेस मुश्किल में फंसी को दलित को मुख्यमंत्री बना दिया गया। इसी कारण पंजाब के दलितों को कांग्रेस से सावधान रहना चाहिए। इससे पहले मायावती ने पंजाब के नए मुख्यमंत्री को चरणजीत सिंह चन्नी को बधाई भी दी।

ट्रक में नमक की बोरियों के बीच छिपाकर ले जा रहे थे सवा करोड़ का 12 क्विंटल गांजा, जब्त

सीधी (एजेंसी)। सीधी कोतवाली पुलिस ने 1 करोड़ 21 लाख 40 हजार रुपए कीमती 12 क्विंटल 14 किलो गांजे के साथ 25 लाख रुपए कीमती ट्रक जब्त करते हुए धारा 8,20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक 409 सेट बाडी जिसमे लाल रंग के तिरपाल से ढका है जिसका नम्बर प्लेट में 5747 नंबर लिखा है जो नमक की आड़ में गांजा ले जा रहा है। उक्त ट्रक जो सीधी की तरफ आ रहा है। सूचना मिलते ही टीआई कोतवाली हितेंद्र नाथ शर्मा ले सूचना देकर उनि अभिषेक सिंह परिहार, उनि राकेश सिंह तथा सउनि पुष्पेन्द्र सिंह बघेल के नेतृत्व में तीन अलग-अलग टीमें गठित कर रवाना की गई। अभिषेक सिंह परिहार एवं टीम को सम्राट चौराहा ,उनि राकेश सिंह की टीम ने संजय गांधी कालेज के पास तथा सहायक उपनिरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह बघेल की टीम मडरिया बायपास में घेराबंदी कर संदिग्ध इंतजार करने लगे। फिर मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रक ग्राम बटोली में रोड के किनारे खड़ा है। उक्त समस्त टीमें मौके पर पहुंची जहां बटौली रोड में रोड के किनारे ट्रक खड़े ट्रक में चालक नहीं था। ट्रक की तिरपाल को खोल देखा तो नमक लोड दिखा किंतु ट्रक के आसपास मादक पदार्थ गांजे की खुशबू आ रही थी जिसके बाद नामक की बोरियों को हटाकर देखा तो बीच में बड़ी-बड़ी बोरियों में गांजा लोड था जिसे निकलवा कर तोला तो 1 करोड़ 21 लाख हजार रुपए कीमती कुल 12 क्विंटल 14 किलो गांजा प्राप्त हुआ जिसे जब्तकर अज्ञात आरोपियों परएनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

सीधी पुलिस ने घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ा, चालक फरार

जीप-आटो भिड़ंत में नौ लोगों की मौत, सात गंभीर

छग कोंडागांव में हादसा, शोक सभा में शामिल होकर लौट रहे थे ग्रामीण

कोंडागांव,(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोरगांव पीटीएस कैम्प के समीप रविवार को दोपहर जीप और ऑटो के बीच भिड़ंत में नौ लोगों की मौत हो गई और सात घायल हो गए।

सभी ग्रामीण ग्राम गोड़मा से शोक सभा में शामिल होकर वापस पांडेआठगांव लौट रहे थे। एएसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि ऑटो में सवार ग्राम पांडे आठगांव सरपंच हिरामन नेताम के परिवार के लगभग 16 सदस्य ग्राम गोड़मा में शोक सभा मे शामिल होकर वापस अपने घर ग्राम पांडेआठगांव की ओर आ रहे थे। तभी दोपहर में बोरगांव पीटीएस कैम्प के समीप विपरीत दिशा से आ रही जीप के साथ उनकी भिड़ंत हो गयी। टक्कर में सवार 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जिसमें एक 10 महीने की मासूम बच्ची भी शामिल हैं। सूचना मिलते ही एएसपी शर्मा और फरसगांव एसडीओपी मणिशंकर चंद्रा समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को 108 एम्बुलेंस से फरसगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान तीन की मौत हो गई है। गंभीर घायल चार को रायपुर और 3 को कोंडागांव रेफर किया गया।

मृतकों 4 महिला 4 पुरुष और 1 दुधमुही बच्ची शामिल है। मृतकों में रैनु (55), बुधनी (55), हीरा सिंह (40), विजया नेताम (35), जग्गो बाई (30), डिंपल (01) ,सुकोती (60), मंगूराम प्रधान (55) ऑटो का ड्राइवर और अन्य 1 शामिल है। सूचना मिलते ही बस्तर के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने दुख प्रकट किया है।

जो दवाएं मरीज को दीं ही नहीं उनका भी बना दिया बिल

बिरला अस्पताल प्रबंधन पर एफआईआर

ग्वालियर। जिन दवाओं को मरीज के इलाज में इस्तेमाल तक नहीं किया गया, उन दवाओं का भी अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को बिल पकड़ा दिया। परिजनों ने जब बिल को गौर से पढ़ा तब इस संबंध में खुलासा हुआ। बाद में मृतिका के जज पति ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ शिकायत गोला का मंदिर थाने में की थी। पुलिस ने मामले की पड़ताल के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

शहर के सचिन तेंदुलकर मार्ग स्थित एक पॉश टाऊनशिप निवासी अरुण तोमर उपभोक्ता फोरम में जज हैं। 19 अप्रैल को उन्होंने अपनी पत्नी सरला तोमर को कोविड पॉजिटिव आने पर बिड़ला हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया था। यहां 29 अप्रैल को उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। मरीज की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें 3 लाख 36 हजार रुपए का बिल दिया था। इसमें 25 हजार रुपए का डिस्काउंट कर उनसे 3 लाख 11 हजार रुपए जमा करा लिए गए थे।

जब उन्होंने हॉस्पिटल से सारे बिल निकलवाए और उनका मिलान ट्रीटमेंट शीट से किया तो पता चला कि अस्पताल प्रबंधन ने फर्जी बिल बनाकर उनसे करीब 74 हजार रुपए की धोखाधड़ी की है। इसका पता चलते ही उन्होंने थाने में शिकायत की। जांच के बाद बिड़ला हॉस्पिटल के जीएम गोविन्द देवड़ा, डायरेक्टर एसएस देसाई व वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी वेद प्रकाश पाण्डे व तीन अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

सरकारी अस्पताल के भोजन में होगा अब सरकार का आयोडीन नमक

आदिवासी छात्रावास, मध्याह भोजन और आंगनबाड़ियों को भी मिलेगा लाभ

12 रुपए प्रति किलो में सप्लाई करेगा मप्र स्टेट सिविल सप्लाइज कार्पोरेशन

भोपाल (एजेंसी)।

आयोडीन की कमी से कई तरह की बीमारियों से जुझ रहे प्रदेशवासियों की चिंता सरकार ने की है। सरकारी अस्पताल, आदिवासी छात्रावास, मध्याह भोजन और आंगनबाड़ियों के भोजन में आयोडीन और इन्फेपसूलेटेड फैरस फ्यूमरेट आयरन युक्त नामक सरकार देगी। सरकार की इस योजना से प्रदेश में आयोडीन और इन्फेपसूलेटेड फैरस फ्यूमरेट आयरन की कमी से होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों की रोकथाम होगी। सरकार की यह योजना अन्य कल्याणकारी योजनाओं में शामिल की गई है।

योजना को खाद्य एंव आपूर्ति एंव उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा। सरकार की तरफ से नमक सप्लायर का काम मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन करेगा। जिला स्तर से की मांग के अनुसार स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन 12 रुपए प्रति किलो में आयोडीन और इन्फेपसूलेटेड फैरस फ्यूमरेट आयरन युक्त नामक खरीदकर सप्लाई करेगा। नमक वितरण की व्यवस्था की जिम्मेदारी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को सौंपी गई है। स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन मांग के अनुसार नमक खरीदकर जिला स्तर जिला खाद्य विभाग द्वारा संचलित उचित मूल्य की दुकानों को भेज दिया जाएगा। नमक खरीदने के लिए संबंधित विभाग को पहले चाही गई मात्रा के अनुसार राशि को कार्पोरेशन को अग्रिम भुगतान करना होगा। संबंधित विभाग नमक प्राप्त करने के बाद कॉर्पोरेशन को प्रमाण-पत्र जमा कर अगली मांग भेज सकते हैं। माह में एक बार विभाग और मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लेखा-जोखा का मिलान करेंगे।

आयोडीन नमक से लाभ

हमारा शरीर स्वाभाविक रूप से आयोडीन नहीं बनाता है, इसलिए आहार में आयोडीन की उचित मात्रा लेना जरूरी हो जाता है। आयोडीन को थायराइड ग्रंथि द्वारा अवशोषित किया जाता है ताकि थायराइड हार्मोन का उत्पादन किया जा सके। जिससे शरीर के तापमान को नियंत्रित, प्रजनन क्षमता, मांसपेशियों और तंत्रिकाओं की मजबूती और हृदय गति नियंत्रित होती है। इसी तरह आयोडीन की कमी से थायराइड ग्रंथि की कार्यक्षमता बाधित होती है जिससे या तो थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ जाता है या फिर उसकी गतिविधि अपेक्षाकृत कम हो जाती है। थायराइड ग्रंथि की गतिविधि का कम हो जाना हाइपोथायराइडिज्म कहलाता है। जो लोग हाइपोथायराइडिज्म से पीड़ित होते हैं उनका वजन बढ़ने लगता है, उन्हें वजन घटाने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोग जल्द ही थका हुआ महसूस करते हैं एवं उन्हें ठंड भी अपेक्षाकृत काफी लगती है। गर्भावस्था के दौरान मां और बच्चे दोनों के लिए आयोडीन की कमी खतरनाक साबित हो सकती है। वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने भी आयोडीन की कमी के नियंत्रण के लिए इसके सेवन को अनिवार्य कर दिया था।

अभी यह विभाग लेंगे सरकारी नमक

खाद्य एंव आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुसार योजना की शुरुआत में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, अनुसचित और आदिवासी विभाग ने आयोडीन युक्त नामक खारीदने की स्वीकृति दी है। इन विभागों की वर्षिक मांग 8006 टन नमक की है। स्वास्थ्य विभाग ने तो जिला स्तर से नमक की मांग को भेजने के निर्देश भी दे दिए हैं।

इनका कहना

प्रदेश में इस योजना को आम लोगों के स्वास्थ्य को केंद्र में रखकर बनाया गया है। आयोडीन और इन्फेपसूलेटेड फैरस फ्यूमरेट आयरन युक्त नमक को उनकी मांग के अनुसार संबंधित विभागों को दिया जाएगा।

■ **फैज अहमद किदवई** प्रमुख सचिव, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, मप्र

मप्र सरकार हर व्यक्ति की चिंता कर रही है, सरकारी अस्पतालों में गरीब जनता इलाज के लिए आती है, मरीज और उनके परिजनों, आंगनबाड़ी और आदिवासी और अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रावासों में आयोडीन और इन्फेपसूलेटेड फैरस फ्यूमरेट आयरन युक्त नमक भोजन में परोसा जाएगा तो वह आयोडीन की कमी से होने वाली बीमारियों से बचेंगे।

■ **बिसाहूलाल सिंह**, मंत्री खाद्य एवं आपूर्ति एंव उपभोक्ता संरक्षण विभाग

जनदर्शन के साथ अब औचक निरीक्षण भी करूंगा, घटिया काम बर्दाश्त नहीं होगा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण का सामना करना अब तक राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। प्रशासनिक अधिकारियों, जन-प्रतिनिधियों और जनता के सहयोग से हम प्रदेश में कोरोना को नियंत्रित करने में सफ ल हुए हैं। इसके लिए समस्त प्रशासनिक अमला बधाई का पात्र है। प्रदेश को सुराज के मॉडल के रूप में स्थापित करना है। कोरोना के नियंत्रित होने के बाद अब विकास, जन-कल्याण और समय-सीमा में निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए हमें एक बार फिर फुल फॉर्म में आना है। सुराज का मतलब है बिना लिए-दिए और बिना विलंब के लोगों के काम होना। सुराज का मतलब है विकास के काम गुणवत्ता के साथ पूर्ण होए घटिया काम बर्दाश्त नहीं होगा। प्रदेश में जनदर्शन आरंभ हो गया है और अब औचक निरीक्षण भी मैं शीघ्र आरंभ करूंगा। भ्रष्टाचार पर हमारी जीरो टॉलरेंस नीति होगी। गड़बड़ करने वालों पर कठोरतम कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय से कलेक्टर-कमिश्नर्स को वीसी के माध्यम से संबोधित कर

सीएम ने कहा, सुराज का मतलब बिना लिए-दिए और बिना देरी के काम होना

रहे थे। मंत्रालय में आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेंस में सभी कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित सभी जिला पंचायतों के सीईओ और सभी कमिश्नर नगर निगम बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिलों में बड़े कार्यों की मॉनीटरिंग कलेक्टर स्वयं करें। अटल एक्सप्रेस-वे का नाम अब अटल प्रगति-वे होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक से 15 नवंबर तक राजस्व अभिलेखों के शुद्धिकरण का अभियान चलाया जाएगा। राजस्व रिकॉर्ड में जितनी भी पेंडेंसी है, उसको समाप्त किया जाएगा। प्रदेश में 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस है, भगवान बिरसा मुंडा के जन्म-दिवस पर राजस्व शुद्धिकरण अभियान पूर्ण होगा।

आज से जन-सुनवाई और समाधान एक दिन भी होगा आरंभः मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में हर माह मॉनिटरिंग होगी। प्रदेश में 21 सितंबर से जन-सुनवाई आरंभ होगी। पूर्व की भांति प्रातः 11 से 12 बजे तक कलेक्टर-कमिश्नर और सभी विभागों के अधिकारी जनता से मिलेंगे और उनकी समस्याएं जानेंगे। समाधान एक दिन अर्थात् वन-डे गवर्नेंस भी आरंभ होगा। चिन्हित सेवाओं में प्रातः आवेदन देने पर शाम तक उसका निराकरण किया जाएगा।

रेटिंग के आधार पर होगा अफसरों के काम का आकलन

भोपाल, (प्रसं)। कानून - व्यवस्था सहित अन्य मामलों को लेकर जिलों का समग्र मूल्यांकन किया गया है। इस रेटिंग में प्रदेश के सभी 52 जिलों में जबलपुर और उज्जैन की रेटिंग एक्सीलेंट श्रेणी में आई है। वैसे तो सरकार ने कॉन्फ्रेंस के दौरान जो रेटिंग जारी की है, उसमें 6 जिलों को अ श्रेणी में रखा गया है। इस वर्ग में भी दो जिलों को अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों में शुमार करते हुए बाकी 4 जिले ग्वालियर, भोपाल, इंदौर और सागर को संतोषनजक प्रदर्शन करने वाले जिलों में शुमार किया गया है। इस मूल्यांकन का कितना महत्व है, यह इस बात से पता चलता है कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कॉन्फ्रेंस में कहा कि रेटिंग के आधार पर ही अफसरों के काम का ऑकलन होगा।

रेटिंग अ वर्ग में 06 जिले

अच्छा प्रदर्शन- जबलपुर, उज्जैन।

संतोषजनक- ग्वालियर, सागर, भोपाल, इंदौर।

ब वर्ग में 20 जिले

अच्छा प्रदर्शन - गुना, शिवपुरी, बैतूल, सीहोर।

संतोषजनक प्रदर्शन-छिंदवाड़ा, सतना, राजगढ़, खरगौन, छतरपुर, देवास, कटनी, रतलाम, मंदसौर, नरसिंहपुर, टीकमगढ़, रायसेन, खंडवा, रीवा, शहडोल, धार।

स वर्ग में 16 जिले

अच्छा प्रदर्शन - झाबुआ, अशोकनगर, बुरहानपुर, पन्ना, सिंगरौली, बड़वानी।

संतोषजनक प्रदर्शन- सिवनी, दतिया, शाजापुर, बालाघाट, सीधी, डिंडोरी, आलीराजपुर, मंडला, आगर , उमरिया।

अंतराष्ट्रीय 10 दिवसीय सीआईआईएस-2021 समिट भोपाल में आज से

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा करेंगे उद्घाटन

भोपाल (एजेंसी)। साइबर क्राइम इंवेस्टीगेशन एवं इंटेलीजेंस समिट (सीआईआईएस-2021) में देश के 25 से अधिक राज्यों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों सहित मप्र पुलिस के पुलिस अधिकारी विभिन्न प्रकार के अपराध विषयों पर गहन मंथन करने जुटेंगे। सेमिनार में प्रशिक्षण देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे। सेमिनार का उद्घाटन पुलिस अकादमी भौंरी में 21 सितंबर को सुबह 10 बजे गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा करेंगे। समापन एक अक्टूबर को राज्यपाल द्वारा किया जाएगा।

डीजीपी रिसर्च एंड पॉलिसी सेल द्वारा सॉफ्ट क्लिक्स, क्लियरट्रेल टेक्नोलॉजी (नॉलेज पार्टनर) और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में अंतराष्ट्रीय स्तर की 10 दिवसीय साइबर क्राइम इंवेस्टीगेशन एवं इंटेलीजेंस समिट 21 सितंबर से 01 अक्टूबर तक आयोजित होगी। सेमीनार में ऑनलाइन गेमिंग और गेम्बलिंग, क्रिप्टोकरेंसी और क्रिप्टो-ट्रेड अपराधों जैसे महत्वपूर्ण विषयों के साथ वित्तीय धोखाधड़ी, एन्क्रिप्टेड व्हीओआईपी संचार पर अपराध को हल करने, ड्रोन तकनीक इंटरनेट ऑफ थिंग्स , आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस , मशीन लर्निंग और अन्य विषयों पर मंथन होगा।

पांच राज्यों के डीजीपी करेंगे पैनल डिस्कशन

साइबर अपराध की रोकथाम और पता लगाने में राज्य सरकारों की पहल विषय पर पांच राज्यों के डीजीपी के बीच पैनल डिस्कशन होगा। इसमें मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और असम के डीजीपी और मप्र के स्पेशल डीजी ट्रेनिंग शामिल होंगे। डीजीपी पैनल डिस्काशन 30 सितंबर को सुबह 10.45 से 11.45 बजे तक किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन आज भोपाल आएंगे

भोपाल । केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरुगन मंगलवार, 21 सितंबर को सुबह 9.30 बजे भोपाल पहुंचेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने सोमवार को यहां बताया कि वे हवाई अड्डे से सीधे वीआईपी रेस्ट हाउस जाएंगे। इसके बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय दीनदयाल परिसर पहुंचकर महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। तत्पश्चात 12 बजे राज्यसभा चुनाव के लिए विधानसभा में नामांकन दाखिल करने पहुंचेंगे।

कैबिनेट की बैठक स्थगित, अब आज होगी

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सोमवार को कलेक्टर - कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस में दिनभर व्यस्त रहने के कारण सोमवार शाम को होने वाली कैबिनेट स्थगित कर दी गई। अब यह कैबिनेट मंत्रालय में मंगलवार सुबह 10.30 बजे होगी। इसमें सुराज अभियान सहित अन्य विषयों पर चर्चा होगी।

सीएम ने महंत नरेंद्र गिरि के निधन पर जताया शोक

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि जी महाराज के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। श्री चौहान ने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि पूज्य संत नरेंद्र गिरि जी के देवलोकगमन की दु:खद सूचना मिली। सनातन धर्म के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पूज्य स्वामीजी द्वारा समाज के कल्याण में दिए योगदान को सदैव याद किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी नरेंद्र गिरि महाराज के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

उमा भारती को माफी मांगना चाहिए: दिग्विजय सिंह

भोपाल । भाजपा के तेजतर्रार नेत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती द्वारा ब्यूरोक्रेसी के बारे में दिए गए अपने बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने घोर आपत्तिजनक बताते हुए उनसे (उमा भारती) माफी मांगने की बात कही है। श्री सिंह ने अपने ट्वीट मे कहा है कि उमा आप मेरी छोटी बहन होने के नाते मुझे कम बोलने के लिए चेताती रही हैं। लेकिन आपने नौकरशाहों के खिलाफ जो अपशब्दों का उपयोग किया है वे घोर आपत्तिजनक है। भारतीय संविधान में ब्योरोक्रेसी नियम व कानून के अंतर्गत निष्पक्षता से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे आपके नौकर नहीं हैं, चप्पल उठाने वाले लोग नहीं हैं। आप केंद्रीय मंत्री रहीं हैं, मुख्यमंत्री रहीं हैं,इस प्रकार की टिप्पणी आपको नहीं करना चाहिए। इसके लिए आपको माफी मांगना चाहिए।

कमलनाथ ने दी चरणजीत सिंह चन्नी को बधाई

भोपाल । मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सोमवार को चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर बधाई दी है। श्री कमलनाथ ने ट्वीट के जरिए चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि आशा करता हूं कि आपके कुशल नेतृत्व में कांग्रेस सरकार पंजाब में विकास के नए आयाम स्थापित करेगी।

अशोक सिंह ने संभाला प्रदेश कोषाध्यक्ष का पदभार

भोपाल । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक सिंह ने सोमवार को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर प्रदेश कोषाध्यक्ष पद का दायित्व संभाल लिया। अशोक सिंह कांग्रेस पार्टी के लिए शुरू से ही वफादार नेताओं में शुमार हैं और कांग्रेस भले ही सत्ता में न रही हो, लेकिन ग्वालियर अंचल में कांग्रेस को जीवित रखने का काम उन्होंने ही किय। यही कारण है कि प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ ही उनके पास फिलहाल ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व भी है। अब उनको पार्टी का प्रदेश कोषाध्यक्ष बना दिया गया है। अशोक सिंह ने जब पदभार संभाला तो विधायक सतीश सिकरवार और पूर्व सांसद रामसेवक सिंह बाबूजी के अलावा प्रदेश कांग्रेस के कई नेता पीसीसी में मौजूद रहे।

महिला कांग्रेस करेगी कोरोना में मृत लोगों का तर्पण

भोपाल । कोरोना काल में मृत व्यक्तियों का तर्पण महिला कांग्रेस करेगी। मप्र महिला कांग्रेस की अध्यक्ष, डॉ. अर्चना जायसवाल ने सोमवार को मप्र महिला कांग्रेस की समस्त जिला, ब्लॉक, पंचायत अध्यक्षों को निर्देशित किया की कोविड महामारी के दौरान असमय काल के गाल में समाए बेसहारा मृत्यजनों का सोमवार से प्रारंभ हो रहे श्राद्धपक्ष को ध्यान में रखते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए इस श्राद्धपक्ष में तर्पण के कार्य को सम्पन्न किया जाए। डॉ. जायसवाल ने कहा कि जैसा कि विगत समय में कोरोना महामारी ने असमय ही हमसे हमारे लाखों भाईयों-बहनों को छीन लिया है। इस दौरान अनेक ऐसी दु:खद घटनाएं भी सामने आईं जब पूरे परिवार ही काल कवलित हो गए एवं उनका तर्पण या मुक्ति का कर्मकांड सम्पन्न होना ही संभव नहीं हो पाया। इस समय में ऐसी अप्रिय स्थितियों का भी कुछ परिवारों को सामना करना पड़ा कि वे अपने प्रियजनों का क्रिया-कर्म भी नहीं कर पाए। ऐसी मृत आत्माओं की शांति के प्रति अपने सामाजिक दायित्व को समझते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए तर्पण एवं श्राद्ध का कार्य, श्राद्धपक्ष के दौरान संपूर्ण प्रदेश में किया जाएगा।

एपी सिंह ने देखीं राज्यसभा उपचुनाव की तैयारियां

भोपाल । राज्यसभा उप निर्वाचन के रिटर्निंग ऑफिसर एवं विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने सोमवार को विधानसभा के समिति कक्ष क्रमांक-2 में उपचुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर राज्यसभा उप निर्वाचन के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं विधानसभा के अपर सचिव बीडी सिंह भी मौजूद थे।

कलेक्टर-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान कसौटी पर एसपी

दमोह एसपी को फटकार, कहा-आप सिस्टम सुधारें, ऐसे नहीं चलेगा

भोपाल (एजेंसी)। मंत्रालय में वर्चुअली कलेक्टर -कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान जब प्रदेश में कानून -व्यवस्था की स्थिति के साथ ही महिलाओं के खिलाफ अपराधों की स्थिति की समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक कसौटी पर रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आधा दर्जन जिलों के पुलिस अधीक्षकों को कड़ी फटकार लगाई। गुंडों अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में हीलाहवाली करना दमोह के पुलिस अधीक्षक को भारी पड़ा। कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें फटकारते हुए कहा कि आप सिस्टम सुधारें, ऐसा नहीं चलेगा...।

दरअसल दमोह जिला राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई के मामले में भी फिसड्डी साबित हुआ। मुख्यमंत्री ने जब जिले की रिपोर्ट देखी तो उन्होंने एसपी की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि अपराधियों को अरेस्ट करने में देरी क्यों करते हैं आप...। कानून -व्यवस्था के मामले में दमोह जिला रेंकिंग प्रदेश में सबसे फिसड्डी साबित हुआ, उसे 52वां स्थान मिला। इधर नीमच एसपी भी सीएम के निशाने पर रहे। सीएम ने नीमच एसपी से पूछा, आपके जिले में तस्करों के खिलाफ कार्रवाई धीमा क्यों है, आप जिले में क्या कर रहे हैं, सिस्टम स्लो क्यों है? दूसरी तरफ उन्होंने सूदखारों के खिलाफ बेहतर कार्रवाई के लिए अनूपपुर एसपी की तारीफ भी की।

नीमच एसपी को फटकारते हुए सीएम ने पूछा, तस्करों के खिलाफ कार्रवाई धीमी क्यों

सीएम ने कहा कि कर्ज के नाम पर ऋण पुस्तिका तक रख ली गई थी। उस रैकेट को तोड़ा है। शहडोल ने भी ऐसा ही किया है। यह शोषण हम नहीं होने दे सकते, गरीब आदमी का। थोड़ा सा पैसा ऊंची ब्याज दरों पर दे दिया और ब्याज वसूले जा रहे हैं। उनके सारे ऐसे पेपर्स रख लिए जिनसे उनको योजनाओं का लाभ मिलता है। यह बिलकुल सहन नहीं होगा। चाहे जनजाति हो या बाकी गरीब हो। जनजाति के लिए तो कानून ही बना दिया है। उन्होंने कहा कि सूदखोरों का ऊंचे दर पर ब्याज वसूलना गलत है। सामान्य ब्याज पर कर्ज देने में कोई दिक्कत नहीं है।

सुरक्षा व्यवस्था में नहीं होना चाहिए कोई चूक

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी कदम उठाएं। त्यौहारों के दौरान भी सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक नहीं होना चाहिए। महिला अपराध की स्थिति की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला अपराधों को रोकने के लिए अभी और संवेदनशील होने की जरूरत है। सभी इसे गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि छेड़छाड़ के मामलों में सख्त कार्रवाई हो। इस दौरान बताया गया कि 700 थानों में ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। 42 जिलों में कुल 52 महिला थानों की स्थापना कर दी गई है। बताया गया कि जनवरी 2018 से अगस्त 2021 तक महिला अपराधों में कुल 38 आरोपियों को मौत से सजा से दंडित किया गया है।

अवैध शराब रोकने में इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर ने अच्छा काम किया

मुख्यमंत्री ने अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने में बेहतर काम करने वाले जिलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, राजगढ़ और गुना ने अच्छा काम किया है। अवैध रेत के कारोबार की चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि अवैध रेत खनन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। आप वाहन राजसात करके नीलाम कर दो। यही उपाय करना होगा। सिर्फ जुर्माना लगाने से काम नहीं चलेगा। चिटफंड के खिलाफ सतना से अच्छा काम किया है। हमें कार्रवाई जारी रखना है।

सीएम आज करेंगे छात्रवृत्ति और मातृत्व सहायता राशि का वितरण

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जन-कल्याण और सुराज अभियान में मंगलवार, 21 सितंबर को खंडवा जिले के पंधाना में लाड़ली लक्ष्मी योजना में 75 हजार 961 बालिकाओं को 21 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति और प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना के तहत 25 हजार गर्भवती एवं धात्री माताओं को पांच करोड़ रुपए की मातृत्व सहायता राशि का वितरण करेंगे।

10 हजार पोषण वाटिकाओं का भी करेंगे लोकार्पण

इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 32 जिलों के 103 आंगनबाड़ी केंद्रों के नवनिर्मित भवनों और 52 जिलों की 10 हजार पोषण वाटिका का लोकार्पण भी करेंगे। साथ ही 22 जिलों के 10 हजार गंभीर कुपोषण से सामान्य पोषण श्रेणी में आए बच्चों की माताओं को पोषण अधिकार सूचना-पत्र भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दूरदर्शन और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर किया जाएगा।

प्रदेश में 27 को फिर चलेगा वैक्सीनेशन महाअभियान

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने सोमवार को मंत्रालय से वीसी द्वारा कलेक्टर्स-कमिश्नर्स से बातचीत कर विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। सीएम ने निर्देश दिए कि अपने परिश्रम की पराकाष्ठा से सभी अधिकारी मप्र को मॉडल स्टेट बनाएं। कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 27 सितंबर को प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान संचालित होगा। सभी कलेक्टर्स अपनी जिला टीम के साथ वैक्सीनेशन महाभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय हों। इस महाअभियान की तैयारियों की समीक्षा 23 सितंबर को वीसी द्वारा होगी। कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि प्रदेश में वर्ष 2021 में 4 करोड़ 13 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। अभी तक करीब चार करोड़ पौधे रोपित किए जा चुके हैं।

रोजगार को लेकर सीएम ने जताई नाराजगी-मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वित्त वर्ष 2020-2021 में एक लाख 9 हजार 591 लोगों को रोजगार दिया गया है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता। कोरोना की परिस्थितियों के बाद रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की जरूरत ओर भी बढ़ गई है। चौहान ने प्रदेश में 20 जून से धान मिलिंग के कार्य की प्रगति की जानकारी भी ली।

फाईलेरिया रोग से प्रदेश को करेंगे मुक्त : डॉ. चौधरी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि फाईलेरिया रोग से प्रदेश को मुक्त करेंगे।

डॉ. चौधरी ने सोमवार को दतिया जिले में वर्चुअली अभियान की समीक्षा करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग फाईलेरिया रोग से प्रभावित जिलों में पूरे जन-समूह को फाईलेरिया निरोधक दवाई की खुराक देने का अभियान (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) संचालित कर रहा है। सोमवार को दतिया जिले में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान का शुभारंभ किया गया है। एक सप्ताह तक यह अभियान जारी रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस माह दतिया और छतरपुर जिले में फाईलेरिया मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान संचालित किया जा रहा है। दतिया में सोमवार 20 सितंबर से अभियान शुरू किया गया है।

छतरपुर जिले में 27 सितंबर से अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान में जिले के दो वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को डीईसी और अल्बेन्डाजोल दवाई की खुराक दी जा रही है। दतिया जिले में तीन हजार टीमें इस कार्य को कर रही हैं।

ब्यूरोक्रेसी को चप्पल उठाने वाले बयान के बाद उमा भारती ने जताया खेद

कहा, भविष्य में संयमित भाषा का करूंगी प्रयोग

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा के तेजतर्रार नेत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती द्वारा ब्यूरेक्रेसी को चप्पल उठाने वाले कौम बताने वाले वीडियो के बाद इस पर खेद जताते हुए भविष्य में संयमित भाषा का प्रयोग करने की बात कही है।

दरअसल सोशल मीडिया पर सोमवार को उमा भारती का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे ब्यूरोक्रेसी को लेकर कहती दिखाई दे रही हैं कि ब्यूरोक्रेसी हमारी चप्पल उठाती है। यह कौम तो हमारी चप्पलें उठाने वाली होती है। ब्यूरोक्रेसी नेताओं को घुमाती है, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं मध्यप्रदेश की सीएम और केंद्र में मंत्री रही हूं। ब्यूरोक्रेट वही फाइल लेकर आते हैं, जो उन्हें बता दिया जाता है कि इसमें करना क्या है। इस वीडियो के सामने आने के बाद चौतरफा हो रही बदनामी के बाद उमा भारती ने ट्वीट करते हुए खेद जताया है जिसमें उन्होंने बताया है कि यह वीडियो 18 सितंबर का है। इस दिन ओबीसी महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे भोपाल स्थित उनके बंगले पर मुलाकात की थी। प्रतिनिधि मंडल ने ओबीसी की जातिगत जनगणना और प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण को लेकर उमा भारती को पांच सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था।

उन्होंने अपनी गलती स्वीकारते हुए कहा कि हम नेताओं में से कुछ सत्ता में बैठे निक्कमे नेता अपने निकम्मेपन से बचने के लिऐ ब्यूरोक्रेसी की आड़ ले लेते हैं कि हम तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन ब्यूरोक्रेसी हमारे अच्छे काम नहीं होने देती, जबकी सच्चाई यह है की ईमानदार ब्यूरोक्रेसी सत्ता में बैठे हुए मजबूत, सच्चे एवं नेक इरादे वाले नेता का साथ देती है। यही मेरा अनुभव है। मुझे रंज है कि मैंने असंयत भाषा का प्रयोग किया, जबकि मेरे भाव अच्छे थे। मैंने आज से यह सबक सीखा की सीमित लोगों के बीच अनौपचारिक बातचीत में भी संयत भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विपक्षी दलों का धरना-प्रदर्शन 25 को

भोपाल (एजेंसी)। देश और प्रदेश में जनविरोधी नितियों के खिलाफ कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल 25 सितंबर को पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन करेंगे एवं 27 सितंबर को दोपहर 2.00 बजे तक प्रदेश बंद किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर उक्त निर्णय लिया है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई, जिसमें 25 सितंबर को दोपहर 12 बजे राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संयुक्त धरना-प्रदर्शन किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में आगामी 27 सितंबर को दोपहर 2.00 बजे तक मप्र बंद कराने पर भी रणनीति बनी।

बैठक में विपक्षी दल सीपीआई के पदाधिकारी शैलेंद्र शैली, सीपीएम के पीबी रामचंदर, एनसीपी के राजू भटनागर सहित प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजीव सिंह, डॉ.महेंद्र सिंह चौहान और जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद जिला स्तर पर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने चयन समिति की बैठक में दी जानकारी, श्रेष्ठ प्रतिभागियों का किया गया चयन

राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कारों की संख्या और राशि में होगी बढ़ोतरी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना के पुरस्कारों की संख्या और राशि में बढ़ोतरी की जाएगी। श्री यादव की अध्यक्षता में सोमवार को यहां मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार के लिए गठित चयन समिति की बैठक हुई। बैठक में तीन वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा की गई और पुरस्कार के लिए श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया गया।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि अगले वित्तीय वर्ष से राज्य स्तरीय पुरस्कारों की संख्या को 18 से बढ़ाकर 20 किया जाएगा। उन्होंने स्वयं-सेवक स्तर पर विद्यार्थियों को दी जाने वाली 11 हजार रुपए की पुरस्कार राशि को बढ़ाकर 21 हजार रुपए करने की अनुशंसा की। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य सामाजिक सेवा के जरिए छात्रों का व्यक्तित्व विकास करना है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार हमेशा प्रोत्साहित करते हैं। सामुदायिक सेवा एक जिम्मेदारी है, इससे विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण में भागीदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि कोरोना-काल के कठिन समय में भी एनएसएस के छात्रों ने लगातार समाज-सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार के तहत विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रम समन्वयक के लिए प्रतिवर्ष एक, जिला संगठक स्तर पर दो, संख्या स्तर पर कार्यक्रम अधिकारी को 12 प्रशस्ति-पत्र प्रदान किएजाने का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त स्वयं-सेवक स्तर पर 18 पुरस्कार प्रदाय किएजाते हैं। इसमें महाविद्यालय स्तर के 13 विद्यार्थी, जिनमें तीन छात्राओं का होना आवश्यक है तथा पांच स्वयं-सेवक विद्यालय स्तर के होंगे, जिनमें एक छात्रा अनिवार्य होगी। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी स्तर पर कुल 12 पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस अवसर पर चयन समिति के सदस्य समाज-सेवी उज्जैन सुरेंद्र सिंह अरोरा, पाणिनी संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रतिनिधि डॉ. तुलसीदास, भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि दीपक उपाध्याय, स्कूल शिक्षा तथा उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

सेल्फी पर ज्यादा लाइक चाहिए, तो 11 तरीके अपनाएं

चल बेटा सेल्फी ले ले रे ....बजरंगी भईजान फिल्म का यह गाना तो आपने सुना ही होगा। सेल्फी यानि फोन के कैमरे से खुद की बेहतरीन फोटो खींचना, जरूर आपकी जिंदगी का भी अहम हिस्सा बन चुका होगा। सोशल मीडिया पर भी आप ऐसी कई तरह की सेल्फी देखते होंगे, जिन्हें सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। लिहाजा आपके मन में भी तो यह बात आती होगी के आपकी सेल्फी को भी लोग ज्यादा से ज्यादा लाइक करें। आपके मन की इसी को को जानते हुए हम बता रहे हैं, सेल्फी लेने के 11खास तरीके, जिससे आप भी सोशल मीडिया पर छा सकते हैं।

सबसे पहले तो अपने मन से यह बात निकल फेंकिए कि मेकअप करने से सेल्फी ज्यादा अच्छी आएगी या कुछ ही रंगों में आपकी सेल्फी अच्छी आती है...फलां-फलां बातें। अब एक बार यह सोचकर देखि?ए कि आप सेल्फी को इतनी दिलचस्प कैसे बना सकते हैं, कि लोग उसे देखें और पसंद करें। चलिए इस बारे में बात करते हैं - 1 पहले बात करते हैं समूह सेल्फी की। जब भी आप दोस्तों या परिवार के साथ सामूहिक सेल्फी ले रहे हैं, तो कोशि?श कीजिए हर कोई अपने अलग अंदाज में दिखाई दे। सीधे खड़े होकर सेल्फी लेने के बजाए अलग-अलग तरह से खड़े होकर या कुछ लोग बैठकर सेल्फी लें।

2 समूह में सेल्फी लेते समय हर कोई अपने चेहरे पर अलग-अलग गहरे भाव दिखाएगा, तो देखने वाला कुछ देर तक इस तस्वीर को जरूर देखेगा और पसंद भी करेगा।

3 आप अपनी सेल्फी ले रहे हैं, तो अपने दोस्तों से पीछे की तरफ खड़े होकर अलग-अलग या अजीबो-गरीब प्रतिक्रिया देने के लिए कहें। इस तरह से देखने वाला पहले आपकी तस्वीर को देखने पर पीछे के किरदारों को भी ध्यान से देखेगा।

4 अगर आप व्यक्तिगत रूप से अपनी सेल्फी ले रहे हैं, तो इस बात पर ध्यान दें, कि या तो आप खुद को खास तरह से पेश करें या फिर आपके पीछे का क्षेत्र ध्यान खींचने वाला हो।

5 अगर आपने कोई नई चीज खरीदी है और उसे सेल्फी के जरिए दुनिया को दिखाना चाहते हैं, लेकि?न यह दिखावा आपको ठीक नहीं लगता तो एक काम कीजिए। आप अपनी इस सेल्फी में अपने किसी खास दोस्त को भी शामिल कर लिजिए। ऐसे में किसी को अंदाजा भी नहीं होगा कि आप दिखावा कर रहे हैं, और लोग आपकी दोस्ती की तस्वीर को पसंद भी करेंगे।

6 अगर दोस्तों का समूह बना है, और कुछ रोमांचक करना चाहते हैं तो सेल्फी में कुछ अलग करें। आप सभी एक घेरे में खड़े होकर अपने पैरों की सामूहिक तस्वीर ले सकते हैं। इसके बाद सभी दोस्तों को टैग करके यह तस्वीर फेसबुक पर डालें। यह तस्वीर आपको और अन्य लोगों में खुद को एवं एकदूसरे को पहचानने का रोमांच पैदा करेगी।

7 इसी तरह से अगर आप चाहें तो पैरों की जगह हाथ, या सभी के चेहरे का एक तरफा हिस्सा सेल्फी में लें सकते हैं। इस तरह से कई नए तरीके आजमाकर आप अपनी सेल्फी को रोमांचक बना सकते हैं।

8 यह जरूरी नहीं है कि सेल्फी लेते समय आपके चेहरे पर मेकअप लगा हुआ हो। इसकी जगह प्रकृतिक रूप से आप जैसे हैं , उसे ही अपने कैमरे में कैद करें। और मुस्कान के साथ-साथ चेहरे पर अन्य भाव-भंगिमाएं बनाकर देखें। इस तरह से आप सारी तस्वीरों को एक साथ लगा दें। यह जरूर पसंद की जाएगी।

9 यह भी जरूरी नहीं कि सेल्फी के लिए पहले से कोई तैयारी की जाए। आप चाहें हर एक दोस्त के पास जाकर अचानक कोई सेल्फी लें। अपनी भी ऐसे अचानक सेल्फी लें। कई बार अचानक ली गई तस्वीरों में आपके भाव बेहद गहराई लिए होते हैं। इसे लोग तो पसंद करेंगे ही, आप भी कुछ समय बाद देखेंगे तो आपको पसंद आएगी।

10 अगर आपको लगता है कि आपका चेहरे सेल्फी में मोटा या बदसूरत लगता है, तो आप कैमरे को सामने रखने के बजाए, बगल में रखें। दाईं या बाईं ओर से तस्वीर लें। इसो आपका चेहरा मोटा नहीं लगेगा और नैन नक्श साफ तौर पर दिखाई देंगे। 11 सेल्फी को और भी प्रभावी बनाने के लिए आप इसे काले सफेद या अन्य रंगों में बदल सकते हैं। फोन में इसके लिए विकल्प मौजूद होते हैं। आप चाहें तो पूरी तस्वीर को काला-सफेद कर, केवल आंखों और होंठों को रंगने वाला विकल्प आजमा सकते हैं। यह प्रभाव बेहतरीन होगा।

स्टाइलिश हुए पेंडेट

युवतियों व गर्ल्स में बढ़ा स्टाइलिश पेंडेट का क्रेज। डिमाड में है मार्डन लुक वाले पेंडेट्स..

स्टाइलिश लुक के लिए हमेशा नए की तलाश में रहने वाली गर्ल्स के बीच स्टाइलिश पेंडेट्स का खासा क्रेज है। गर्ल्स की यह चाहत पूरी हो रही है शहर की जूइॅलि व गिफ्ट शॉप्स में, जहा मौजूद है पेंडेट्स की ढेरों नई वैरायटीज।

व्हाइट मेटल पेंडेट

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल बताती है, व्हाइट मेटल पेंडेट आपको हर डिजाइन व शेप में मिल जाएंगे, लेकिन आप पर कैसा फबेगा, यह ड्रेस पर भी निर्भर करेगा। व्हाइट पेंडेट आप थ्रेड चेन में पहन सकती है। सफेद चमकदार होने के कारण इसका अलग ही लुक आता है।

जंक पेंडेट

जूइॅलि डिजाइनर सुपर्णा निगम बताती है, इस समय जंक पेंडेट अपने डल और सोबर कलर से गर्ल्स को खूब लुभा रहे है। कापर के ब्राउन, ब्लैक और यलो जैसे शेड्स के पेंडेट अट्रैक्टिव लुक देते है। इन पेंडेट को डिफरेंट लुक देने के लिए कॉपर चेन या मोती की माला का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

ब्लैक मेटल पेंडेट

एक गिफ्ट शॉपी के संचालक आशीष सिंह बताते है, इन पेंडेट की विशेषता है कि यह हर तरह की चेन पर फिट हो जाते है। इन्हें स्टाइलिश लुक देने के लिए इनमें कई चेन डाल कर भी पहना जा सकता है। यह डिफरेट शेप व हर साइज में अच्छे लगते है।

बीड एंड पर्ल पेंडेट

मॉर्केट में लार्ज सिंगल बीड और क्रिस्टल बॉल वाले पेंडेट भी यूनीक स्टाइल में उपलब्ध है। काशी ज्वैलर्स की जूइॅलि डिजाइनर कृति बताती है, बीड एंड पर्ल पेंडेट जींस टॉप और सलवार सूट पर परफेक्ट लगते है। इनको डिफरेट लुक देती है अटैच मोती व क्रिस्टल की माला। भारी-भरकम जूइॅलि को दरकिनार कर सिंपल व गार्जियस लुक चाहती है तो पेंडेट्स बेहतर विकल्प हो सकते है।

अंतर्मुखी लोगों में होती है यह खास बातें

अंतर्मुखी लोग कम बोलते हैं, उनके दोस्त भी चुनिंदा होते हैं, कभी-कभी वे तुनक मिजाज, कभी शर्मीले और कभी असामाजिक भी होते हैं। कभी वे अपने मन की बात को दूसरों के सामने आसानी से नहीं रख पाते, तो कभी औरों से बेहतर तरीके से समझाते हैं। वे असानी से किसी के साथ घुल मिल नहीं पाते, लेकिन उनके अंदर ही अपना एक संसार बसा होता है। इन सभी के बावजूद अंतर्मुखी लोगों में कुछ बातें बेहद खास होती हैं जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती हैं। जानिए क्या हैं वे खास बातें - 1 खुद पर विश्वास - भले ही अंतर्मुखी लोग कम बोलते हैं, लेकिन उनमें आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं होती। बल्कि उन्हें दूसरों की अपेक्षा खुद पर ज्यादा भरोसा होता है। वे अपने निर्णय के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं होते और यही कारण है कि वे अच्छे या बुरे परिणाम के लिए किसी और को दोषी भी नहीं ठहराते।

2 खुद के साथ समय बिताना - वे अपनों से बहुत प्यार करते हैं, लेकिन अकेले समय बिताने में भी उन्हें कोई परेशानी नहीं होती। बल्कि ऐसे समय में भी वे समय का सदुपयोग करना अच्छी तरह से जानते हैं। कभी किताबों में मन बहलाकर तो कभी अपने पसंद की चीजें कर वे इस अकेलेपन का भी खुलकर आनंद लेते हैं।

3 सुनने की कला - अंतर्मुखी लोगों में किसी की बात को ध्यान से सुनने और समझने की कला होती है, जो हर किसी में नहीं होती। कम बोलना और ज्यादा सुनना इनके ज्ञान और समझने की क्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि जब इन्हें किसी को कोई बात समझानी हो, तो ये बड़े सटीक और सरल तरीके से समझा पाते हैं।

4 कहने से पहले सोचना - अंतर्मुखी लोगों में यह भी एक खासियत होती है कि वे एक बार कुछ कहने के पहले दो बार जरूर सोचते हैं, फिर सही शब्दों में सही तरीके से अपनी बात रख पाते हैं। वे हर बात पर गौर करना जानते हैं, और हर रिश्ते को अहमियत देते हैं, इसलिए अपने शब्दों को हमेशा तौलकर ही बोलते हैं। अंर्तमुखी लोग बहिर्मुखी लोगों की अपेक्षा अधिक संवेदनशील होते हैं।

5 खुद के लिए आदर्श - इस तरह के लोग आदर्शों के लिए किसी का मुंह नहीं तकते बल्कि? खुद ही स्वयं के लिए आदर्श बनते हैं। वे सकारात्मक गुणों को अपनाकर खुद को तराशते हैं। उन्हें खुद को प्रोत्साहित करने के लिए हमेशा किसी की आवश्यकता नहीं होती। वे लगातार खुद को प्रोत्साहित कर आगे बढ़ने की हिम्मत रखते हैं। यह उनकी सबसे अच्छी बात होती है।

एकतरफा जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची धोनी एंड कंपनी, मुंबई को 20 रन से हराया

दुबई। चेन्नई और मुंबई के बीच खेले जा रहे मैच से आईपीएल 2021 फेज-2 का आगाज हो गया है। मैच की शुरुआत CSK के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के साथ हुई। अनफिट रोहित शर्मा की जगह कीरोन पोलार्ड ने मुंबई टीम की कप्तानी की। CSK ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए मुंबई के सामने 157 रन का टारगेट था, लेकिन टीम 136/8 का स्कोर ही बना सकी और छ्स्य ने 20 रन से मैच जीतकर अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही धोनी एंड कंपनी पॉइंट्स टेबल में 12 अंकों के साथ पहले पायदान पर पहुंच गई है। चेन्नई की जीत में ड्वेन ब्रावो ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए।

मुंबई की खराब शुरुआत

टारगेट का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने पहले छह ओवर में 41 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवाए। डी कॉक (17) के बाद दीपक चाहर ने अनमोलप्रीत सिंह (16) और शार्दूल ठाकुर ने सूर्यकुमार यादव (3) की विकेट चटकाकर CSK को बड़ी कामयाबी दिलाई। इसके बाद ईशान किशन (11) भी कुछ खास चमत्कार नहीं दिखा सके और ब्रावो की गेंद पर आउट हुए। दीपक चाहर ने क्विंटन डी कॉक (17) को आउट कर छ्स्य को पहली सफलता दिलाई थी। यह विकेट चेन्नई को DRS पर मिला। दरअसल, पारी का तीसरा ओवर दीपक चाहर लेकर आए और दूसरी गेंद डी कॉक के पैड पर लगी और अपील की गई, लेकिन अंपायर ने नॉट-आउट दिया। इसके बाद धोनी ने रिव्यू लिया और गेंद स्टंप की लाइन में होने के चलते डी कॉक को मैदान से बाहर का रास्ता देखना पड़ा।

विश्व महिला टीम शतरंज चैंपियनशिप - हरिका के नेतृत्व में उतरेगी भारतीय टीम

सिट्जस , स्पेन। भारतीय महिला शतरंज टीम अबसे एक सप्ताह बाद विश्व महिला टीम शतरंज चैंपियनशिप मे विश्व नंबर 10 और भारत की नंबर 2 महिला खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली के नेतृत्व मे खेलने उतरेगी तो उसके सामने प्ले ऑफ मे पहुँचने का लक्ष्य होगा । टीम मे हरिका के अलावा आर वैशाली , तानिया सचदेव , भक्ति कुलकर्णी पहले से ही थी जबकि कोनेरु हम्पी के स्थान पर अंतिम समय पर मेरी गोम्स को शामिल किया गया है । हालांकि विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन और भारत की नंबर 3 शतरंज खिलाड़ी कोनेरु हम्पी की गैरमौजूदगी से भारत की पदक की संभावनाओं को झटका लगा लगा है । दरअसल कोनेरु हम्पी नें कोवैक्सीन की दो डोज़ ली हुई है और स्पेन सहित पूरे यूरोप मे इसे अभी तक सिर्फ कोविशील्ड को ही मान्यता मिली हुई है । हम्पी के बाद इस स्थान के लिए पद्मिनी राऊत के नाम पर भी चर्चा नहीं हो सकी क्यूंकी वह भी कोवैक्सीन से ही वेक्सिनेटेड है । इस टूर्नामेंट मे दुनिया की शीर्ष 12 टीमों को दो वर्गो मे बांटा गया है और पाँच राउंड रॉबिन मुकाबलों के बाद प्रथम चार टीम क्वाटर फाइनल मे प्रवेश करेंगी । हालांकि विभिन्न कोविड वैक्सीन और प्रतिबंधों के चलते चीन की पूरी टीम इस बार भाग नहीं ले सकेगी । अन्य देशो मे अर्मेनिया , जॉर्जिया , रूस (सीएफ़आर) ,फ्रांस ,अजरबैजान ,कजाकिस्तान ,स्पेन ,फीडे अमेरिका ,जर्मनी ,पोलैंड , उक्रेन की टीम प्रतियोगिता मे भाग ले रही है ।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टेला कैंपबेल को भारत के खिलाफ वनडे में डेब्यू की उम्मीद

ब्रिसबेन। भारतीय महिला टीम के खिलाफ अभ्यास मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद ऑस्ट्रेलिया की युवा तेज गेंदबाज स्टेला कैंपबेल को मेहमानों के खिलाफ आगामी सीरीज में वनडे पदार्पण करके अपना सपना पूरा करने की उम्मीद है।

अभ्यास मैच में इस 19 साल की गेंदबाज ने 38 रन देकर तीन विकेट झटके थे जिसकी मदद से ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत पर 36 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही थी।

स्टेला ने कहा, 'वनडे पदार्पण करने से मेरा सपना पूरा हो जाएगा लेकिन मैं यहां सिर्फ इस अनुभव का लुत्फ उठाने, सीखने के लिए और ज्यादा से ज्यादा सुधार करने के लिए आई हूं। लेकिन अगर यह (वनडे पदार्पण) होता है तो यह शानदार मौका होगा। स्टेला ने पारी के शुरू में ही भारतीय बल्लेबाजी की स्टार शेफाली वर्मा और रिचा

घोष को आउट कर अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के लिए उम्मीद बढ़ा दी। इन दोनों के बाद उन्होंने स्नेह राणा को पवेलियन भेजा। इस लंबी तेज गेंदबाज में अतिरिक्त रफ्तार और उछाल हासिल करने की काबिलियत है। छह फीट से लंबी इस खिलाड़ी ने कहा, 'यह काफी सरल है - मैं लंबे कद की तेज गेंदबाज हूं इसलिए वे मुझे तेज दौड़कर तेज गेंदबाजी करते हुए और आक्रामक गेंदबाजी करते हुए देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'सिडनी सिक्सर्स के साथ पिछले कुछ सत्र में मेरी यही भूमिका रही है इसलिए मुझे लगता है कि मैं वास्तव में ऐसा करने में सक्षम हूं। अभ्यास मैच के बारे में स्टेला ने कहा, 'मुझे काफी अच्छा लगा। मुझे लगा कि मैं अच्छी लय में थी। मैं अपनी गेंदबाजी में सहज और रिलैक्स थी इसलिये मैं वही कर सकी जो मैं सर्वश्रेष्ठ करती हूं।

दुखदः इंग्लैंड के दिग्गज फुटबॉलर जिम ग्रीव्स ने ली अंतिम सांस, 81 साल की उम्र में हुआ निधन

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज फुटबॉलर और स्ट्राइकर जिमी ग्रीव्स ने 81 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। प्रीमियर लीग के फुटबॉल क्लब टॉटेनहम हॉटस्पर ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। ग्रीव्स छह साल पहले स्ट्रोक का शिकार हुआ था। उन्होंने चेल्सी के साथ अपने करिअर की शुरूआत की थी और डेब्यू मैच में ही गोल दागने में सफल रहे थे। उन्होंने क्लब की तरफ से तब 1957-1961 तक रिकॉर्ड 124 गोल दागे थे। उन्होंने टॉटेनहम के लिए 1960-71 तक 379 मैचों में शिरकत किया और इस दौरान 266 गोल दागे।

ग्रीव्स 1966 फुटबॉल विश्व कप विजेता इंग्लैंड टीम का हिस्सा थे, उन्होंने इंग्लैंड की तरफ से 57 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 44 गोल किये थे। उन्होंने इंग्लैंड की तरफ से सर्वाधिक हैट्रिक भी लगाई थी।

डेविड हसी ने कहा- ये दो भारतीय बल्लेबाज क्रिकेट जगत को हैरान कर सकते हैं

अबुधाबी। शुभमन गिल और नितीश राणा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले चरण में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य मार्गदर्शक (मेंटर) डेविड हस्सी का मानना है कि ये दोनों टूर्नामेंट के दूसरे चरण में अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को हैरान कर सकते हैं। केकेआर के पहले 7 मैचों में गिल ने 132 और राणा ने 201 रन बनाए। भारत में टूर्नामेंट के जैव सुरक्षित वातावरण में कोविड-19 के मामले पाए जाने के बाद आईपीएल को मई में स्थगित कर दिया गया था।

हसी ने हालांकि इन दोनों खिलाड़ियों को भारतीय खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी करार देते हुए कहा कि टीम को उनसे काफी उम्मीद है। दोनों ही बेहतरीन

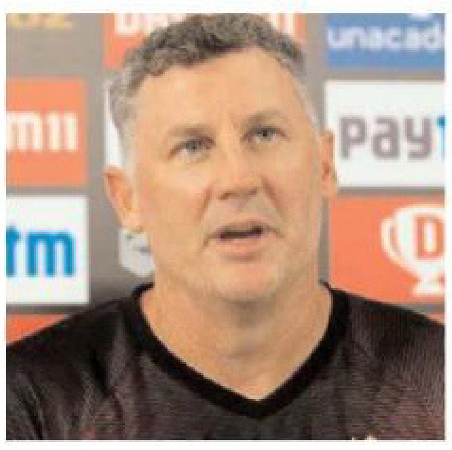

खिलाड़ी हैं और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। वे अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी खेल चुके हैं। मुझे लगता है कि वे अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले हैं और वे भारतीय खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी हैं। हसी ने आगे कहा कि केवल एक या दो श्रृंखलाओं के लिए नहीं बल्कि संभवतः एक दशक तक वे अपनी छाप छोड़ सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि कप्तान इयोन मोर्गन दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पहले चरण में वह रन बनाने के लिए जूझते रहे थे। कप्तान के रूप में वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने वाला है। हमें उनसे कुछ बड़ी पारियों की जरूरत है।

फ्रांसीसी लीग के मैच में दर्शकों ने मचाया हुड़दंग

पेरिस। मौजूदा चैंपियन लिली और लेन्स के बीच खेले गए फ्रांसीसी फुटबॉल लीग के मैच में दर्शकों ने जमकर हुड़दंग मचाया जिससे मध्यांतर के बाद लगभग आधे घंटे तक खेल नहीं हो पाया। खेले गए इस मैच में पहला हॉफ छूटने के बाद लेन्स के समर्थक मैदान पर आ गए और इसके बाद लिली के समर्थकों से भिड़ गए। पुलिस और सुरक्षाकर्मियों को उन्हें मैदान से बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। मध्यांतर तक दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थी जिसके बाद मैच जारी रखने को लेकर आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में मैच जारी रखने का निर्णय किया गया जिसमें लेन्स ने 1-0 से जीत दर्ज की। उसकी तरफ से यह गोल प्रजेमिस्लाव फ्रैंकोवस्की ने 73वें मिनट में किया। फ्रांसीसी लीग में इससे पहले नीस और मार्सेली के बीच अगस्त में खेले गए मैच में भी दर्शकों ने व्यवधान डाला था। नीस के प्रशंसक मैदान पर उतर आए थे और उन्होंने मार्सेली के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ हाथापायी की थी। इसके बाद यह मैच रद्द कर दिया गया था।

बयानः विराट की तारीफ में कैरेबियाई दिग्गज ने पढ़े कसीद

बोले- मैं उनके टी20 में कप्तानी छोड़ने के फैसले से सदमे में था

नई दिल्ली। विराट कोहली के अचानक से टी-20 में कप्तानी छोड़ने के फैसले से हर कोई हैरान है। इस बीच वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा कि वो भारतीय कप्तान के अचानक से इस फैसले के बाद सदमे में पड़ गए थे। क्रिकेट.कॉम से बातचीत में कैरेबियाई दिग्गज ने इस बात का जिक्रा किया। उन्होंने बातचीत में कहा, 'मैं सदमे में था क्योंकि मुझे लगता है कि कोहली ने बहुत अच्छा काम किया है, सभी बड़े देशों के खिलाफ खेला है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सभी को उन्होंने हराया है।' बता दें कि बीते गुरुवार को विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर एक लंबा सा पोस्ट लिखकर टी-20 में कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि वह यूएई में होने वाले टी-20 विश्व कप के बाद भारतीय टी-20 टीम के कप्तान के पद से हट जाएंगे लेकिन वह वन-डे और टेस्ट क्रिकेट में टीम की अगुआई

करना जारी रखेंगे। आधुनिक युग के सबसे करिश्माई क्रिकेटरों में से एक लारा ने कहा, 'वास्तव में यह एक कप्तान के रूप में उनका पहला टी-20 विश्व कप है, इसलिए इसके बाद एक टी-20 कप्तान के रूप में उनका करियर समाप्त हो जाएगा। यह बड़ा सदमा है। मगर जिस जोश के साथ वह खेलते हैं, कभी-कभी मुझे लगता है कि यह एक अच्छा कदम भी साबिक हो सकता है क्योंकि उनका (विराट) ध्यान खेल के दूसरे प्रारूप पर हो सकता है।' उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं खेल रहा था, तब भी मेरे पास ये मुद्दे थे। उस समय मैंने एक-दो बार कप्तान का पद छोड़ा, क्योंकि यह बहुत, बहुत तनावपूर्ण हो गया था।' लारा ने कहा, हालांकि यह कोहली का निजी फैसला है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिहाज से यह अच्छा फैसला है। मैं दावे के साथ तो नहीं कह सकता लेकिन मुझे यकीन है कि उन्होंने अपना फैसला न केवल व्यक्तिगत फैसले के लिए बल्कि एक ऐसा निर्णय लिया है, जो भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा हो।

एशेज को लेकर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने साफ किया अपना रूख

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने ये साफ कर दिया है कि अगर उनकी फिटनेस अच्छी रही तो वह एशेज दौरे पर ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए बेताब हैं। हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया है कि हमें इस पर भी नजर रखनी होगी कि वहां किस तरह की पाबंदियां रहेंगी। इस बात का अंदेशा है कि ऑस्ट्रेलिया में कोविड-19 को लेकर बनाए गए कड़े प्रोटोकॉल की वजह से कई खिलाड़ी इस दौरे से अपना नाम वापस ले सकते हैं।

ब्रॉड चूंकि सिर्फ एक ही फॉर्मेट में खेलते हैं इसलिए वह इस दौरे पर ज़रूर जाना चाहेंगे, साथ ही इस बात की उम्मीद की जा रही है कि अगर जो रूट समेत कई सीनियर खिलाड़ियों ने इस दौरे से नाम वापस ले लिया तो ब्रॉड को कप्तानी की जिम्मेदारी भी मिल सकती है। ब्रॉड ने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछेंगे तो मैं यही कहूंगा कि नवंबर में ऑस्ट्रेलिया की उड़ान भरने वाली फ्लाइट में मैं मौजूद रहना चाहूंगा। मैं इसके लिए खुद को फिट रखने

की पूरी कोशिश में जुटा हूं, मैं आश्वस्त हूं कि इंग्लैंड की टीम इस दौरे पर 100 फीससदी जाएगी। एशेज दौरे के लिए दल के चयन में अब करीब दो ही हफ्तों का समय बचा है और इसके लिए हम सब बेकरार हैं।' इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बीच लगातार इस मुद्दे पर बातचीत जारी है और इस बात की उम्मीद की जा रही है कि नवंबर तक इन पाबंदियों में ढील दे दी जाएगी।ब्रॉड ने कहा, 'ईसीबी हमें लगातार हर उन अपडेट की जानकारी दे रहा है जो उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिल रही है। हालांकि ये हमारे लिए भी चुनौती होगी कि हम वहां किस तरह रहेंगे।'

पहले 14 दिनों का क्वारंटीन पीरियड ही बड़ा मुद्दा है, जिसको लेकर ये बात चल रही है कि दल को गोल्ड कोस्ट में आजादी के साथ रखा जाए। हाल ही में भारतीय महिला दल और ज़्यादातर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को मल्टी-फ़ॉर्मेट सीरीज़ से पहले ब्रिसबेन में दो हफ़्तों तक क्वारंटीन रहना पड़ा था। उन्होंने कहा ,'इस समय जो हालात ऑस्ट्रेलिया में हैं, उसमें वहां के नागरिकों को भी अपने देश में आने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हम ऐसा सोच भी नहीं सकते कि बिना क्वारंटीन हुए हम वहां रहेंगे, क्योंकि पूरा विश्व इस समय इन्हीं परिस्थितियों से जूझ रहा है।

एक संभावना ये जरूर है कि अगर दल के सभी सदस्य वैक्सीनेशन के दोनों डोज़ लेने के बाद वहां जाएं तो शायद क्वारंटीन के पीरियड में कोई कमी हो, लेकिन वहां की सरकार ने जो 14 दिनों के क्वारंटीन का नियम बना रखा है उसमें क्या वह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को ढील देंगे? या कोई बदलाव करेंगे, ये देखना दिलचस्प होगा।

न्यूजीलैंड ने कहा- खिलाड़ियों की जान को खतरा था, पीसीबी ने दावे को सिरे से खारिज किया

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के सीईओ डेविड व्हाइट के उन दावों को ख़ारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान में सुरक्षा इंतज़ाम ऐसे नहीं थे कि रूका जा सकता। पाकिस्तान में मौजूद सूत्रों ने बताया कि पीसीबी ने पूरी तरह न्यूज़ीलैंड के उन दावों को बेबुनियाद बताया है जिसमें 'उनकी जान को ख़तरा' बताया जा रहा था। इससे पहले न्यूज़ीलैंड मीडिया के सामने डेविड व्हाइट ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और उसमें बताया था कि किन परिस्थितियों में उन्हें दौरा रद्द करना पड़ा। उन्होंने बताया कि न्यूज़ीलैंड सरकार की ओर से उन्हें ये बताया गया था कि खिलाड़ियों की जान को ख़तरा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को हालांकि इस तरह की किसी भी प्रेस कॉन्फ़्रेंस की जानकारी नहीं है लेकिन उन्होंने इस बात का खंडन किया कि न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ियों को जान

का ख़तरा था। उन्होंने ये भी कहा कि न्यूज़ीलैंड सरकार की ओर से उन्हें या पाकिस्तान सरकार को भी ये जानकारी नहीं दी गई थी। इससे पहले व्हाइट ये कह चुके थे कि जिस तरह की जानकारी उन्हें मिली थी उसे सार्वजनिक करना सही नहीं था।

पीसीबी इस दौरे के रद्द होने के बाद हुए आर्थिक नुक़सान पर न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के साथ बातचीत करने का मन बना रहा है। व्हाइट ने अपनी प्रेस कॉन्फ़्रेंस में तीन वनडे और पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय को आगे की किसी तारीख़ पर खेलने पर भी विचार कर रहा है। लेकिन ये सीरीज़ कहां और कब खेली जाएगी इसपर कुछ कह पाना जल्दबाज़ी होगी। एक पाकिस्तानी आधिकारी ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट से ये भी सवाल किया कि जब पाकिस्तानी सुरक्षा इंतज़ामों पर भरोसा नहीं था तो अगले दिन वह एयरपोर्ट कैसे गए।

न्यूज़ीलैंड द्वारा पाकिस्तान दौरे को रद्द करने के बाद पाकिस्तानी क्रिकेट का भविष्य अंधकार में डूब गया है, तुरंत ही बाद इंग्लैंड ने भी अपने पाकिस्तानी दौरे को लेकर पुनर्विचार कर रहा है। दूसरी ओर पीसीबी लगातार इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड से इसको लेकर बात कर रहा है और उन्हें सुरक्षा इंतज़ामों के प्रति आश्वासन दे रहा है। इंग्लैंड ने आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा 2005-06 में किया था। अगले साल फ़रवरी-मार्च में ऑस्ट्रेलिया को भी 20 वर्षों के बाद पाकिस्तान का दौरा करना है, लेकिन अभी उसको लेकर तस्वीर साफ़ नहीं है।

विराट कोहली आई.पी.एल. 2021 के बाद छोड़ेंगे आरसीबी की कप्तानी

नई दिल्ली। टीम इंडिया की टी-20 टीम की कप्तानी छोडऩे वाले विराट कोहली ने अब आई.पी.एल. 2021 के बाद आरसीबी की भी कप्तानी छोडऩे का फैसला ले लिया है। आरसीबी ने एक ट्विट किया है जिसमें कोहली ने इसके बारे में बात की है। उन्होंने ट्विट में लिखा- आरसीबी के कप्तान के रूप में यह मेरा आखिरी आईपीएल होगा। मैं अपना आखिरी आईपीएल मैच खेलने तक आरसीबी का खिलाड़ी बना रहूंगा। मैं आरसीबी के सभी प्रशंसकों को मुझ पर विश्वास करने और मेरा समर्थन करने के लिए धन्यवाद देता हूं। सूत्रों के मुताबिक भारतीय टीम में कई खिलाड़ी कप्तान विराट कोहली के रवैये से खुश नहीं हैं। कोहली अपना आपा खोल देते हैं। विराट ने कई सीनियर खिलाडिय़ों से सम्मान खो चुके हैं और कुछ खिलाडिय़ों को उनका रवैया पसंद नहीं आ रहा है। वह अब एक प्रेरणादायक लीडर भी नहीं है

और वह खिलाडिय़ों का सम्मान हासिल नहीं कर पा रहे हैं। जब कोई विराट से बातचीत करना चाहता है तो वह बेहद मुश्किल हो जाता है। सूत्रों के मुताबिक कोहली के इस तरह के बर्ताव के पीछे उनका बड़ी पारी ना खेल पाना भी है। क्योंकि हाल ही में भारतीय टीम के एक कोच ने विराट कोहली को नेट्स सेशन के दौरान कुछ सलाह देने की कोशिश की जिस पर वह भड़क उठे। विराट कोहली ने कोच से कहा कि मुझे कंन्फ्यूज़ मत करो। वह अपने आक्रामक स्वभाव पर काबू नहीं पा रहे हैं जिस वजह से उनकी टीम कई साथियों के साथ बिगड़ रही है।